अलाईव न्यूज
ALIVE NEWS
Any Enquiry Cont. : 0129-4070270
खबर वही, जो जिंदा रहे!

Vol. 14 Issue No. 17 Faridabad (NCR) | Wednesday, 1-15 October 2025 | Rate : 5 /- | RNI No. : HARBIL/2012/45536 | Postal Registration No. L-2/HR/FBD/296/24-26 | Page : 8

यूपी में प्राइवेट प्लेन टेकऑफ से पहले झाड़ियों में घुसा

एजेंसी
फरुर्खाबाद। यूपी के फरुर्खाबाद में बड़ा विमान हादसा टल गया। यहां प्राइवेट प्लेन रनवे से उड़ान भरते समय नियंत्रण खो बैठा और पास की झाड़ियों में जा घुसा। हादसे में विमान के विंग्स, फ्रंट व्हील और जेट फैन टूट गए। फ्यूल टैंक भी डैमेज हुआ है। रनवे पर एयरो फ्यूल टपक रहा है। फिलहाल, विमान में बैठे सभी 6 लोग सुरक्षित हैं। इनमें वुडपैकर ग्रीन एंग्री न्यूट्री पैड प्राइवेट लिमिटेड के टऊ अजय अरोड़ा, वाइस प्रेसिडेंट राकेश टीकू और रइकअफसर सुमित शर्मा, दोनों पायलट नसीब बामल, प्रतीक फर्नांडीज और एक क्रू टेक्नीशियन शामिल हैं। अजय अरोड़ा अपनी टीम के साथ खिमसेपुर औद्योगिक

क्षेत्र में बन रही बीयर फैक्ट्री के निर्माण कार्य का निरीक्षण करने भोपाल से आए थे। घटना गुरुवार सुबह 10:30 बजे हुई। हादसे और प्लेन की स्थिति की जांच करने के लिए दिल्ली से टीम बुलाई गई है। प्लेन 'जेट सर्विस एविएशन प्राइवेट लिमिटेड' का है। वुडपैकर ग्रीन कंपनी के यूपी प्रोजेक्ट हेड मनीष कुमार पांडेय ने पायलट पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा- दोनों पायलट को पहले से ही पहियों में हवा कम होने के बारे में पता था, लेकिन उन्होंने ध्यान नहीं दिया।

केदारनाथ में रिकॉर्ड 16.56 लाख श्रद्धालु पहुंचे

कपाट बंद होने में 14 दिन बाकी; अब तक 47 लाख लोगों ने की चारधाम यात्रा

एजेंसी
नई दिल्ली। केदारनाथ यात्रा ने इस साल एक नया रिकॉर्ड बनाया है। बुधवार तक केदारनाथ जाने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या 16.56 लाख पहुंच गई है, जबकि मंदिर के कपाट बंद होने में अभी 14 दिन बाकी हैं। 2025 में अकेले बुधवार को 5,614 तीर्थयात्रियों ने केदारनाथ धाम में पूजा-अर्चना की। मंदिर के कपाट 23 अक्टूबर को भाई दूज के दिन बंद होंगे। 2024 में पूरे यात्रा सीजन के दौरान कुल 16,52,076 श्रद्धालु केदारनाथ के दर्शन करने पहुंचे थे। बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धामों में भी तीर्थयात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। बद्रीनाथ धाम के कपाट 25 नवंबर को दोपहर 2:56 बजे शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। उत्तराखंड आपातकालीन परिचालन केंद्र की तरफ से जारी 8 अक्टूबर को जारी आंकड़ों के मुताबिक 4 मई से लेकर 7 अक्टूबर की शाम 7 बजे तक कुल 47 लाख 29 हजार 555 श्रद्धालुओं ने चारधाम यात्रा की है। 30 अप्रैल को गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिर के कपाट खुलने के साथ चार धाम यात्रा शुरू हुई। केदारनाथ धाम 2 मई को और उसके बाद 4 मई को बद्रीनाथ धाम के कपाट खुले थे। खराब मौसम और लगातार बारिश के कारण 1 से 5 सितंबर तक तीर्थयात्रियों का पंजीकरण और चारधाम यात्रा का

संचालन रोक दिया गया था। इसे 6 सितंबर को फिर से शुरू किया गया। मानसून के मौसम में भारी बारिश, बादल फटने और भूस्खलन ने तीर्थयात्रा को बुरी तरह बाधित किया। गंगोत्री धाम के रास्ते में धराली का महत्वपूर्ण पड़ाव प्राकृतिक आपदाओं से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सड़कों के क्षतिग्रस्त होने के कारण, गंगोत्री और यमुनोत्री की यात्रा अस्थायी रूप से स्थगित करनी पड़ी। बारिश थमने के बाद भी यात्रा बहाल करना बड़ी चुनौती थी। हालांकि, प्रशासनिक टीमों ने सामान्य स्थिति बहाल करने और यात्रा मार्गों को फिर से खोलने के लिए युद्धस्तर पर काम किया। गंगोत्री और यमुनोत्री, दोनों की तीर्थयात्राएं कड़े सुरक्षा उपायों के साथ फिर से शुरू हो गई हैं। अधिकारी श्रद्धालुओं से सतर्क रहने का आग्रह कर रहे हैं। तीर्थयात्रियों को बार-बार सलाह दी जा रही है कि वे खराब मौसम में यात्रा करने से बचें और यदि वे रास्ते में हैं तो सुरक्षित स्थानों पर शरण लें। श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति ने रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन और पुलिस के साथ मिलकर बुधवार को तीर्थयात्रियों से गर्म कपड़े, दवाइयाँ और अन्य आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी वस्तुएं लाने का आग्रह किया।

ब्रिटेन की 9 यूनिवर्सिटी भारत में खोलेंगी कैंपस

भारतीय वायुसेना के ट्रेनर ब्रिटेन की रॉयल एयर फोर्स को ट्रेनिंग देंगे

एजेंसी
नई दिल्ली। ब्रिटेन की 9 यूनिवर्सिटी भारत में कैंपस खोलेंगी। ब्रिटिश ढट कीर स्टार्मर ने मुंबई में यह ऐलान किया। मोदी ने कहा कि स्टार्मर के नेतृत्व में भारत और ब्रिटेन के रिश्तों में प्रगति हुई है। इस साल जुलाई में लंदन यात्रा के दौरान दोनों देशों ने व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (CETA) पर हस्ताक्षर किए थे। मोदी ने कहा कि इस समझौते से दोनों देशों के बीच आयात आसान होगा। इससे कारोबार बढ़ेगा और युवाओं को रोजगार मिलेगा। दोनों नेताओं ने इंडो-पेसिफिक, पश्चिम एशिया और यूक्रेन संघर्ष पर भी चर्चा की। वहीं, रक्षा सहयोग के क्षेत्र में भारत और ब्रिटेन ने सैन्य प्रशिक्षण समझौता किया है, जिसके तहत भारतीय वायुसेना के फ्लाइंग प्रशिक्षक अब ब्रिटेन की रॉयल एयर फोर्स में ट्रेनर

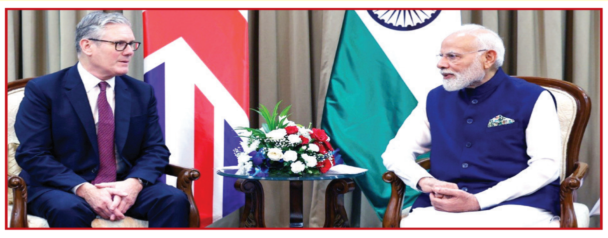

के रूप में काम करेंगे। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ मिडिल ईस्ट के हालात और गाजा में शांति की दिशा में उठाए गए पहले कदमों पर चर्चा की। उन्होंने दोनों नेताओं के यूक्रेन में स्थायी शांति और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा व स्थिरता की जरूरत पर भी विचार-विमर्श किया। हमने भारत और ब्रिटेन के व्यापार और निवेशकों को एक साथ बुलाया। ताकि वे एक-दूसरे से मिल सकें, बातचीत कर सकें और अपने आइडिया साझा कर सकें। पिछले दो दिनों में मैंने देखा कि लोग छोटे-छोटे ग्रुप में, खाने-पीने के दौरान या अलग-अलग जगहों पर बातें कर रहे थे। यह हमारे लिए बहुत उत्साहजनक अनुभव रहा। मुझे लगता है कि यह वही काम है जो हमने पहले चेकर्स में शुरू किया था। मैंने इसे दो हिस्सों वाला काम समझा है। पहला हिस्सा था FTA (मुक्त व्यापार समझौता) और चेकर्स में हुई हमारी अहम बैठक। उस बैठक में प्रधानमंत्री भी मौजूद थे। अब यह उसका दूसरा हिस्सा है। मैं इसे भारत और ब्रिटेन की साझेदारी का जश्न मानता हूं और यह दिखाता है कि हमें इस साझेदारी में बहुत भरोसा है। मोदी ने बताया कि भारत और ब्रिटेन ने क्रिटिकल मिनरल्स (महत्वपूर्ण खनिज) पर सहयोग के लिए एक सप्लाई चेन ऑब्जर्वेटरी स्थापित करेंगे। इसका एक सैटेलाइट कैंपस झारखंड के धनबाद में इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स में बनेगा। स्टार्मर ने अपने बयान के दौरान गाजा में शांति समझौता होने का स्वागत किया। उन्होंने कहा, ' यह राहत की बात है। इस समझौते को अब बिना किसी देरी के पूरी तरह से लागू किया जाना चाहिए और इसके साथ ही गाजा को जीवन रक्षक मानवीय सहायता पर लगे सभी प्रतिबंध तुरंत हटाए जाने चाहिए।'

36 सेकेंड में 6 राउंड फायरिंग

लखनऊ। मल्हौर इलाका आधी रात गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। 36 सेकेंड में 6 राउंड गोलियां चलीं। इसमें कई लोग घायल हो गए। बुधवार आधी रात हुई गोलीबारी से आसपास लोग दहशत में आ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत कराया। बताया जा रहा है कि दो पक्षों में जमीनी विवाद को लेकर कहासुनी हुई। विवाद बढ़ा तो लात-घूंसे बरसने लगे। हॉकी-डंडे लिए लोगों ने मारपीट शुरू कर दी। कुछ ही देर में पिस्तौलें तन गईं और गोलियां चलने लगीं। मामला मल्हौर स्थित एमिटी यूनिवर्सिटी के पास का है। बुधवार आधी रात दो पक्षों के बीच जमीन विवाद में जमकर बवाल हुआ। कहासुनी के बाद बात मारपीट होने लगी। इसके बाद कुछ लोगों ने फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान 4 लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए लोहिया संस्थान की इमरजेंसी में भर्ती करवाया।

जहरीला कफ सिरप बनाने वाली कंपनी का डायरेक्टर गिरफ्तार

एमपी एसआईटी ने रंगनाथन को चेन्नई से पकड़ा, दवा से अब तक 24 बच्चों की मौत

एजेंसी
छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश में बच्चों की मौत का कारण बने कोल्ड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली कंपनी श्रीसन फार्मा के डायरेक्टर गोविंदन रंगनाथन की गिरफ्तारी हो गई है। मामले में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई SIT की टीम ने बुधवार रात चेन्नई में दबिश देकर रंगनाथन को पकड़ा। रक्ळ ने कंपनी से महत्वपूर्ण दस्तावेज, दवाओं के नमूने और प्रोडक्शन रिकॉर्ड भी जब्त किए हैं। रंगनाथन पर 20 हजार रुपए का इनाम था। वह अपनी पत्नी के साथ फरार चल रहा था। चेन्नई में रंगनाथन का चेन्नई-बेंगलुरु राजमार्ग पर स्थित 2,000 वर्ग फुट का अपार्टमेंट सील कर दिया गया था, जबकि कोडम्बक्कम स्थित उनका रजिस्टर्ड ऑफिस बंद मिला था। छिंदवाड़ा एसपी अजय पांडे ने बताया कि एसआईटी, रंगनाथन को चेन्नई कोर्ट में पेश कर ट्रांजिट रिमांड मांगेगी। इसके बाद उसे छिंदवाड़ा लाया जाएगा। वहीं, मामले की जांच को लेकर दायर

जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को सुनवाई कर सकता है। वकील विशाल तिवारी की याचिका में इस मामले की जांच राष्ट्रीय न्यायिक आयोग या सीबीआई के जरिए विशेषज्ञों की समिति बनाकर कराए जाने की मांग की गई है। उधर, कफ सिरप पीने के बाद किडनी फेल होने से जान गंवाने वाले बच्चों की संख्या बढ़कर 24 हो गई है। बुधवार (8 अक्टूबर) की दरमियानी रात छिंदवाड़ा की उमरेठ तहसील के पचधार गांव के 3 वर्षीय मयंक सूर्यवंशी ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वह 25 सितंबर से नागपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती था। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज नागपुर पहुंचे। सीएम ने वहां के अस्पतालों में भर्ती चारों बच्चों का हाल जाना। उनके परिजन से बात की। इनमें से गार्विक पवार नागपुर मेडिकल कॉलेज में, अंबिका विश्वकर्मा न्यू हेल्थ सिटी हॉस्पिटल जबकि कुणाल यदुवंशी और हर्ष यदुवंशी नागपुर एम्स में इलाज करा रहे हैं। इससे पहले सीएम ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार हर कदम पर पीड़ित परिवारों के साथ है। सभी बच्चों का इलाज सरकार ही कराएगी। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। छिंदवाड़ा महापौर विक्रम अहके ने कहा है कि बच्चों की मौतों को देखते हुए वे 10 अक्टूबर को अपना जन्मदिन नहीं मनाएंगे। उन्होंने समर्थकों से अपील की है कि केक, बुके, आतिशबाजी, फ्लैक्स और उपहारों की राशि इकट्ठा कर पीड़ित परिवार को दी जाए। इसके लिए महापौर निवास पर एक बॉक्स लगाया जाएगा, जिसमें सहयोग की राशि डाली जा सकती है। इस बीच कोल्ड्रिफ सिरप की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है।

नगर निगम की लापरवाही से रोशन नगर में जलभराव, स्थानीय निवासी और राहगीर परेशान

Faridabad/Alive News

नगर निगम की लापरवाही एक बार फिर लोगों की परेशानी का कारण बन गई है। रोशन नगर वार्ड नंबर 26 और विनय नगर को जोड़ने वाले मुख्य सड़क पर नाली तो बना दी लेकिन शायद नगर निगम पानी की निकासी व्यवस्था करना भूल गया। पानी निकासी की कोई व्यवस्था न होने के बावजूद भी लोग अपने घरों का पानी नालियों में चला रहे हैं। सड़क पर जगह-जगह जलभराव होने से राहगीर और दो पहिया वाहन चालकों को फिसलन और बदबू का सामना करना पड़ रहा है।

रोशन नगर निवासी सौरभ शर्मा ने बताया कि नगर निगम ने कुछ समय पहले छह गलियों में नालियों के निर्माण का टेंडर पास किया था। नालियां तो बन गईं, परंतु पानी निकासी व्यवस्था आज तक नहीं की गई। पहले जब नाली नहीं थी, तब लोग अपने घरों का पानी आसपास के खाली प्लॉटों में चलते थे, लेकिन अब नालियां बनने के बाद लोग यह सोचकर घरों का पानी उनमें चला रहे हैं कि यह पानी निकासी का माध्यम है, जबकि हकीकत में अभी तक नाली से पानी का कोई निकास नहीं है। परिणामस्वरूप यह पानी रोशन नगर और विनय नगर को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर भरकर लोगों की मुश्किलें बढ़ा रहा है।

उन्होंने बताया कि जब उन्होंने कुछ लोगों को नाली में पानी चलाने से रोका तो लोगों ने उल्टा जवाब देते हुए कहा कि नाली तो पानी निकासी के लिए ही बनाई गई है। अभी भी लोगो के घरों का पानी नाली में जारी है जो मुख्य सड़क पर आ रहा है।

स्थानीय निवासी प्रेम देवी ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उनकी गली के सामने इतना पानी भर गया है कि लोगों को गंदे पानी में होकर आना-जाना पड़ रहा है। अब तो पैदल चलने के लिए भी कोई सूखी जगह नहीं बची। कई लोग हरिद्वार जाकर गंगा जी के दर्शन करते हैं, लेकिन उन्हें तो अपनी गली के सामने ही रोज गंगा दर्शन होते है।

राहगीर सिमरन का कहना है कि वह रोज इसी मार्ग से गुजरती हैं । इस सड़क पर इतना गंदा पानी भरा है कि दो पहिया वाहन जाना तो दूर की बात रही पैदल चलाना तक मुश्किल हो गया है। बुजुर्गों और बच्चों के लिए यह रास्ता खतरनाक हो गया है, साथ ही लंबे समय से जलभराव रहने के कारण डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है।

क्या कहते हैं पार्षद का

अभी नाली और सड़क का काम शुरू कराया गया है। मुख्य नाले का काम अलग से किया जाएगा। जब कोई काम शुरू होता है तो शुरुआत में सारी व्यवस्थाएं एक साथ नहीं हो पातीं। धीरे-धीरे रोशन नगर के सभी कार्य पूरे किए जाएंगे। अगर किसी को नाली के पानी से परेशानी है तो वह सीधे मुझसे मिल सकता है, मैं खुद उसकी समस्या का समाधान कराऊंगा।

लाल मिश्रा, पार्षद रोशन नगर वार्ड 26

स्टेशन का निर्माण कार्य धीमी गति में, 25 महीने बाद भी स्टेशन पर पार्किंग की व्यवस्था नहीं

Faridabad/Alive News

फरीदाबाद रेलवे स्टेशन का निर्माण कार्य बेहद धीमी गति से चल रहा है। स्टेशन का 30 महीने में पूरी तरह से पुनर्विकास होना था, लेकिन 25 महीने बाद भी स्टेशन पर पार्किंग की जगह नहीं बन पाई है। अधिकारियों को भी नहीं पता कि पूरा स्टेशन कब बनकर तैयार होगा। हालात को देखते हुए लगता है कि लोगों को अभी लंबा इंतजार करना पड़ेगा। स्टेशन पर यात्रियों के लिए पानी की भी उचित व्यवस्था नहीं है। पुनर्विकास के लिए पुराने परिसर को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया है। यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था सतही तौर पर की गई हैं। 6 अगस्त, 2023 को अमृत भारत योजना के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ओल्ड फरीदाबाद रेलवे स्टेशन के नवीनीकरण का उद्घाटन किया। स्टेशन पर एक भव्य समारोह आयोजित किया गया, जिसमें केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर और विधायक मूलचंद शर्मा के साथ रेलवे के अधिकारी भी शामिल हुए। स्टेशन के पुनर्विकास पर 262 करोड़ खर्च होने का अनुमान है। जीआरपी कार्यालय की जगह पर बन रही पार्किंग का काम पूरा होने में सिर्फ पांच महीने बाकी हैं, लेकिन अभी तक यह 80% भी पूरा नहीं हुआ है।

यह इस बात का प्रमाण है कि रेलवे अधिकारी और बिल्डर इस परियोजना को पूरा करने के लिए कितनी तेजी से काम कर रहे हैं।

विश्वस्तरीय होगा रेलवे स्टेशन, मिलेंगी ये सुविधाएं

रेलवे स्टेशन को विश्वस्तरीय बनाया जाएगा। लगभग 350 दोपहिया वाहनों और 250 कारों के लिए मल्टी-लेवल पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी। अधिकारियों के लिए वातानुकूलित कार्यालय और एस्केलेटर वाले नए फुट ओवरब्रिज भी बनाए जाएंगे। रेलवे स्टेशन के दोनों ओर बनने वाली इमारतों में स्थानीय कला और संस्कृति को प्रदर्शित किया जाएगा, जिसमें प्रतीक्षालय, फूड कोर्ट और खरीदारी के लिए जगहें शामिल हैं। यह स्टेशन एक स्मार्ट और हरित भवन होगा। नए स्टेशन को 40 वर्षों के भविष्य की ज़रूरतों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है।

फरीदाबाद स्टेशन से 90 लोकल और एक्सप्रेस ट्रेनें गुजरती हैं

ओल्ड फरीदाबाद औद्योगिक शहर का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन है। यहां लगभग 90 लंबी और छोटी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनें रुकती हैं। यहां से प्रतिदिन 15,000 से 20,000 यात्री दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, मुंबई, अमृतसर, इंदौर आदि उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों के लिए ट्रेनों में सवार होते हैं। त्योहारों के मौसम में स्टेशन पर भीड़ भाड़ बढ़ जाती है। यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन पर निर्माण कार्य शुरू हुआ था। हालांकि, अधिकारियों की लेटलतीफी के कारण यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। स्टेशन से एस्केलेटर भी हटा दिया गया है, और बुजुर्गों को एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए सीढ़ियां चढ़ने में सबसे ज्यादा दिक्कत होती है। ट्रेन लेट होने के कारण यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर ही इंतज़ार करना पड़ता है। प्रतीक्षालय के रूप में टिन शेड लगाए गए हैं, जिनमें एक बार में 50 लोग भी नहीं बैठ सकते।

गर्मी और उमस भी स्थिति को और बदतर बना देती है। केंद्र सरकार की योजना के तहत बन रहे रेलवे स्टेशन के निर्माण में हो रही देरी अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठा रही है।

दो दिवसीय सर्वजातीय परिचय सम्मेलन में बने 99 जोड़ों ने विवाह के लिए सहमति जताई

Faridabad/Alive News

महाराजा अग्रसेन विवाह समिति का 25वां दो दिवसीय सर्वजातीय परिचय सम्मेलन का दूसरे दिन बड़ी धूमधाम से सम्पन्न हुआ। प्रधान ब्रह्म प्रकाश गोयल ने बताया कि एनसीआर से लगभग 1500 युवक-युवतियों ने रजिस्ट्रेशन कराया। जिसमें डॉक्टर, इंजीनियर, टीचर, व्यापारी व नौकरी करने वाले युवक-युवतियों का परिचय कराया गया। परिचय सम्मेलन के दूसरे दिन 64 जोड़ों में सहमति बनी है जबकि पहले दिन लगभग 35 जोड़ों ने आपस में विवाह करने की सहमति जताई थी। दो दिवसीय परिचय सम्मेलन में 99 जोड़ों में सहमति बनी है। वहीं सम्मेलन में डॉक्टर, इंजीनियर अन्य कई प्रकार की प्रोफेशनल डिग्री वाले युवक एवं युवतियां, टीचर, व्यापारी, अपाहिज, विधवा, तलाकशुदा, पढ़े.लिखे, विकलांग व अनपढ़, नौकरी करने वाले युवक-युवतियों ने अपना परिचय देकर अपने जीवनसाथी को चुनने की गुजारिश की। प्रधान ब्रह्मप्रकाश गोयल ने आए हुए सभी अतिथियों परम सानिध्य बी.एम. जिन्दल, संत गोपाल गुप्ता, मुख्य अतिथि पूर्व शिक्षाविद् जे.पी. गुप्ता, समारोह अध्यक्ष अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेन्द्र शर्मा बबली,विशिष्ठ अतिथि ओम प्रकाश गर्ग, अनिल रतन लाल गर्ग, सुनील अग्रवाल, प्रवेश बंसल, रमेशचंद गर्ग, डी के गोयल, ए.के.गोयल, पूर्व पार्षद रोहित सिंगला, देवेन्द्र गोयल, अरूण गोपाल, शैलेन्द्र कुमार गर्ग, भोला ठाकुर, विवेक गुप्ता, उज्जवल गर्ग, विनेश अग्रवाल, जे.पी. बंसल, विष्णु शर्मा, विजय शर्मा, राकेश बंसल, ओमप्रकाश गुप्ता, अनिल सिंगला, अमरचंद मंगला, लालचंद जिन्दल, कन्हैया अग्रवाल, धनेश तायल, ईश्वर प्रसाद गोयल, विनित मित्तल, सतीश सिंगला, जी.डी. खुराना, विनोद अग्रवाल आदि का फूल-मालाओं व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। मंच संचालन ब्रह्मप्रकाश गोयल, कन्हेयालाल गर्ग, संजीव कुशवाहा व पवन गर्ग ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संरक्षक अनिल गुप्ता, राजीव गोयल, प्रधान डा. ब्रह्म प्रकाश गोयल, कोषाध्यक्ष भुवनेश्वर अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बलराज गुप्ता, लक्ष्मी नारायण, रज्जी गुप्ता, महासचिव संजीव कुशवाहा, वी. के. अग्रवाल, उप प्रधान गिरीश मित्तल, गौरव अग्रवाल, एडवोकेट आर के गौड़, प्रमोद गोयल, विनीत गर्ग, पवन गर्ग, लोकेश गर्ग, विजय बंसल, जीडी गोयल, सचिव बालकिशन मंगला, मुकेश जिंदल, राकेश माहौर, अशोक प्रधान, प्रहलादराम, सतपाल गुप्ता, मनोज कंस, हेतराम कर्दम, हर्ष कुमार गर्ग, पदमचंद, प्रचार सचिव नरेश गुप्ता, शिव प्रसाद, मनीष शर्मा, राम गोपाल, रजत गोयल आदि का अहम योगदान रहा। अन्य राज्यों से आए हुए युवक-युवती व उनके परिवार वालों को धर्मशाला में रुकने व उनके भोजन की संपूर्ण व्यवस्था समिति द्वारा करवाई गई। ये सर्वजातीय परिचय सम्मेलन दहेज प्रथा को खत्म करने के लिए एक सराहनीय कदम है।

मानव भवन सेक्टर-10 में आयोजित रक्तदान शिविर में 111 लोगों ने किया रक्तदान

Faridabad/Alive News

मानव सेवा समिति ने सेक्टर-10 स्थित मानव भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में भारत विकास परिषद संस्कार शाखा, प्रक्रूथी ट्रस्ट, रोटरी क्लब एक्सीलेंस और रोटरी अरावली ने सहयोग किया। 'रक्तदान, महादान' के संदेश से प्रेरित होकर 111 लोगों ने रक्तदान किया। वहीं, हीमोग्लोबिन कम होने के कारण 14 महिलाएं और 11 युवा रक्तदान नहीं कर पाए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाया और उन्हें सम्मान पट्टिका पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने मानव सेवा समिति के सामाजिक कार्यों की सराहना की और आगे भी हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष कैलाश शर्मा, संस्थापक अरुण बजाज, महासचिव सुरेन्द्र जग्गा, प्रोजेक्ट चेयरमैन संजीव शर्मा, उपाध्यक्ष कैलाशचंद शर्मा, संस्कार शाखा के अध्यक्ष अमर बंसल, प्रक्रूथी ट्रस्ट की अध्यक्ष रमा सरना, रोटरी एक्सीलेंस के प्रधान शरत चंद्रा, रोटरी ब्लड बैंक के प्रधान प्रेम पसरीजा और प्रबंधक दीपक प्रसाद सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। आयोजन मंडल के सदस्य संदीप राठी, नवीन पसरीजा, नीतू मंगल, सोनिया मल्होत्रा, सिद्धार्थ सिंघल और रोटरी अरावली के प्रधान मनीष मनचंदा ने सभी अतिथियों का स्वागत शॉल और स्मृति चिन्ह देकर किया।

इस मौके पर सीए अंकित अग्रवाल के साथ उनके 12 डोनर, ऊषाकिरण शर्मा, राज राठी, राजेश अरोड़ा, राजेन्द्र गोयनका, पार्षद कुलदीप साहनी, राकेश मोंगा, अमित शाह, आर.के. सिंघला, नरेन्द्र मित्तल, किरण शर्मा, कोमल सरना, नीरज जग्गा, प्रतिमा गर्ग और सरिता गुप्ता भी उपस्थित रहे।

महिलाएं स्वदेशी उत्पादों के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में निभा रहीं हैं अहम भूमिका

Faridabad/Alive News

अरावली की सुंदर वादियों में आयोजित किए जा रहे आत्मनिर्भर भारत-स्वदेशी मेले में आज रविवार को हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया विशेष रूप से पहुंचीं। उन्होंने मेले में लगे विभिन्न स्वदेशी उत्पादों के स्टॉलों का अवलोकन किया और महिला व पुरुष हस्त शिल्पियों व उद्यमियों द्वारा बनाए गए हस्तशिल्प, गृह सज्जा सामग्री, परिधान एवं खाद्य उत्पादों की सराहना की। चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने कहा कि ऐसे मेले न केवल महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने के अवसर प्रदान करते हैं, बल्कि ग्रामीण और शहरी महिला उद्यमिता को एक समान मंच प्रदान करते हैं। आज महिलाएं स्वदेशी उत्पादों के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने मेले में महिलाओं से संवाद करते हुए उनके अनुभव जाने और उन्हें हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि महिला आयोग का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और कानूनी रूप से सशक्त बनाना है और ऐसे आयोजन उस दिशा में प्रभावी कदम हैं। उन्होंने मेले की व्यवस्था और महिला उद्यमियों की सक्रिय भागीदारी की प्रशंसा की तथा कहा कि यह मेला महिला सशक्तिकरण और स्वदेशी भावना का सजीव उदाहरण है।

डी.ए.वी. महाविद्यालय में वेबिनार का सफल आयोजन

Faridabad/Alive News

डी.ए.वी. शताब्दी महाविद्यालय के संस्कृत विभाग एवं आईकेएस सेल (भारतीय ज्ञान प्रणाली) ने एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय, मुम्बई के संयुक्त तत्वावधान में 'भारतीय ज्ञान परम्परा : एक बहु विषयक परिप्रेक्ष्य' विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का भव्य आयोजन हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. एस.के. सपोरी, उपाध्यक्ष, डी.ए.वी. प्रबंधकर्ता समिति, नई दिल्ली ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा केवल अतीत की धरोहर नहीं है, बल्कि आधुनिक युग की समस्याओं का समाधान भी प्रस्तुत करती है। उन्होंने भारतीय शिक्षा व्यवस्था में आईकेएस को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। महाविद्यालय के कार्यकारी प्राचार्य डॉ. नरेंद्र कुमार ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं छात्र-छात्राओं का स्वागत करते हुए वेबिनार की रूपरेखा प्रस्तुत की और इसे भारतीय ज्ञान परंपरा को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक सार्थक पहल बताया।

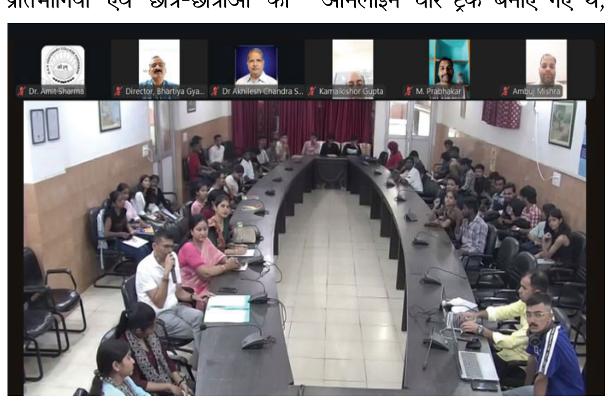

इस वेबिनार में भारतवर्ष के 15 राज्यों से लगभग 65 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कर शोधपत्र प्रस्तुत किए। ऑनलाइन चार ट्रैक बनाए गए थे, जिनकी अध्यक्षता डॉ. पुष्पेंद्र जोशी (पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला) एवं डॉ. अनिल कुमार (प्रवक्ता, दिल्ली शिक्षा विभाग) ने की। महाविद्यालय के लगभग 70 विद्यार्थी वेबिनार से जुड़े और उन्होंने विद्वानों के विचारों को गंभीरता से सुना। मंच संचालन प्रोफ़ेसर मीनाक्षी कौशिक ने अत्यंत कुशलता के साथ किया। वेबिनार की सफलता में तकनीकी टीम प्रमोद कुमार, डॉ. रश्मि रतूरी, उत्तमा पांडेय, मीनाक्षी आहूजा, शिखा राघव, नेहा कथूरिया, नेत्रपाल तथा नीरज मलिक का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में संयोजक डॉ. अमित शर्मा ने सभी अतिथियों, वक्ताओं, प्रतिभागियों एवं छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह वेबिनार भारतीय ज्ञान परम्परा को वैश्विक स्तर पर पहुंचने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

फरीदाबाद में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की नई जिला कार्यकारिणी घोषित

Faridabad/Alive News

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) फरीदाबाद की नई जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई। घोषणा प्रांत प्रमुख खेलो भारत एवं विभाग प्रमुख फरीदाबाद डॉ. आजाद भड़ाना ने की। नई टीम में प्रमुख पदाधिकारियों के रूप में नगर अध्यक्ष बल्लभगढ़ः डॉ. अमित हुडा, नगर मंत्री बल्लभगढ़ः पवन, खेलो भारत नगर संयोजक बल्लभगढ़ः गौरव तेवतिया, नगर अध्यक्ष फरीदाबादः प्रो. विशाल, नगर मंत्री फरीदाबादः विजयवीर, सह मंत्रीः जतिन, खेलो भारत संयोजकः अर्णव सिंह गौड़, नगर अध्यक्ष एन.आई.टी.ः निशांत, नगर मंत्री एन.आई.टी.ः मनीष भड़ाना, सह मंत्रीः सत्यम, नगर मंत्री तिगांवः अंशुल नागर, सह मंत्रीः लोकेश कुमार, खेलो भारत संयोजकः तनुज।

इस मौके पर डॉ. आजाद भड़ाना ने कहा कि 'अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है, जो राष्ट्रवादी विचारधारा के साथ छात्र हितों और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में लगातार आगे बढ़ रहा है।' उन्होंने नई टीम को संगठन के प्रति समर्पण, सेवा और अनुशासन से कार्य करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में विभाग संयोजक दीपक भारद्वाज, प्रांत विश्वविद्यालय सह संयोजक दिव्यांशु यादव, प्रांत संयोजक सोशल मीडिया रवि पांडे सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें संगठन के उद्देश्यों के प्रति निष्ठा से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

ऑल इंडिया पुलिस गेम्स 2025 में फरीदाबाद पुलिस के सिपाही ने जीता गोल्ड मेडल

Faridabad/Alive News

फरीदाबाद पुलिस के सिपाही विक्की ने ऑल इंडिया पुलिस गेम्स 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए बॉक्सिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता है। इस उपलब्धि से फरीदाबाद पुलिस और जिले का नाम गौरवान्वित हुआ है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि यह प्रतियोगिता 20 से 24 सितंबर तक मधुबन, करनाल में आयोजित की गई थी। सिपाही विक्की ने इससे पहले ऑल इंडिया पुलिस गेम्स 2023 में भी बॉक्सिंग में गोल्ड मेडल जीता था।

उनकी इस सफलता पर पुलिस उपायुक्त मुख्यालय फरीदाबाद ने उन्हें सम्मानित किया और उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद पुलिस के जवान न केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने में अग्रणी हैं, बल्कि खेलों के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। पुलिस उपायुक्त ने अन्य पुलिसकर्मियों को भी खेलों में सक्रिय रूप से भाग लेने और अपनी फिटनेस पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया।

एक्सप्रेस-वे और सर्विस लेन पर वाहनों की अनधिकृत पार्किंग पर लगेगा अंकुश : डीसी विक्रम सिंह

Faridabad/Alive News

उपायुक्त (डीसी) विक्रम सिंह ने कहा कि नेशनल हाईवे दोनों साइड और सर्विस लेन पर जलभराव और गंदगी न हो। उपायुक्त विक्रम सिंह एवं नगर निगम फरीदाबाद के आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने आज बुधवार को संयुक्त रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे डिस्पोजल और नालियों से संबंधित मुद्दों पर संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। डीसी विक्रम सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्वच्छता एवं जल निकासी व्यवस्था को पूरी तरह दुरुस्त करें। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि वे स्वयं संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों और पानी निकासी के लिए बनाए गए डिस्पोजल प्वाइंट्स का मौके पर निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि नालियों और जल निकासी मार्गो की सफाई व रखरखाव नियमित रूप से किया जाए ताकि पानी का बहाव सुचारू रूप से बना रहे। डीसी विक्रम सिंह ने एनएचएआई और एफएमडीए के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राष्ट्रीय राजमार्ग (हाईवे) के फ्लाईओवर के नीचे किसी भी प्रकार की गंदगी या कचरा जमा न होने दिया जाए। डीसी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि फ्लाईओवर के नीचे और आसपास नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए तथा ऐसे स्थानों की नियमित निगरानी की जाए जहां गंदगी या अपशिष्ट बार-बार एकत्रित होता है। उन्होंने कहा कि यदि कहीं ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में लगी ग्रिल टूटी या क्षतिग्रस्त है, तो उसे शीघ्रता से दुरुस्त कराया जाए, ताकि हरित क्षेत्र की सुरक्षा और सुंदरता बनी रहे। विक्रम सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि एक्सप्रेस-वे, राष्ट्रीय राजमार्ग और पुलों के नीचे रेहड़ियां लगाने या किसी भी प्रकार का अतिक्रमण करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीसी ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे राष्ट्रीय राजमार्ग और सर्विस लेन पर किसी भी प्रकार के वाहनों को खड़ा न होने दें। डीसी विक्रम सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि एक्सप्रेस-वे पर निकासी स्थलों के पास लगाए गए सभी दिशा सूचक बोर्डों पर पूर्ण एवं स्पष्ट जानकारी प्रदर्शित होनी चाहिए।

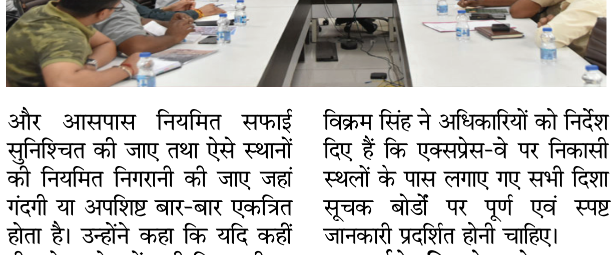

हाईवे किनारे स्ट्रोम वाटर लाइन की पूर्ण कनेक्टिविटी करें सुनिश्चित : निगमायुक्त

नगर निगम फरीदाबाद आयुक्त धीरेन्द्र खड़गटा ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि हाईवे के दोनों ओर बनी स्टॉर्म वाटर लाइन पूरी तरह से आपस में कनेक्टेड (संयुक्त) हों, ताकि वर्षा के दौरान किसी भी प्रकार के जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखना निगम की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल है। श्री खड़गटा ने कहा कि जहां-जहां स्टॉर्म वाटर लाइन एक-दूसरे से जुड़ी नहीं हैं, उन स्थानों की तत्काल सर्वे कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाए, ताकि संबंधित इंजीनियर उन लोकेशनों पर आवश्यक कार्यवाही कर उनकी कनेक्टिविटी सुनिश्चित कर सकें।

आयुक्त ने सभी क्षेत्रीय अभियंताओं को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों का मैदानी निरीक्षण करें और जहां भी स्टॉर्म वाटर लाइनें अवरुद्ध, क्षतिग्रस्त या मरम्मत योग्य स्थिति में हैं, वहां तुरंत सुधारात्मक कार्य प्रारंभ किया जाए। समीक्षा बैठक में एसडीएम बड़खल त्रिलोक चंद, एसडीएम फरीदाबाद अंकित कुमार, एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज, ज्वाइंट कमिश्नर जितेंद्र जोशी सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@gmail.com
website: www.alivenews.co.in

Rockingdeals Expands National and Global Presence, Enters Quick Commerce Sector

Faridabad/Alive News:

Rockingdeals Circular Economy Limited (RDCEL), a company listed on NSE Emerge, has announced its entry into the fast-growing Quick Commerce (Q-Commerce) sector through its new subsidiary, Sustainquest Private Limited (SQPL). This move marks a major milestone in the company's expansion journey, aiming to provide faster and smarter delivery of branded products to customers across India and abroad.

RDCEL, known for its strong presence in the re-commerce market, is now evolving into a full-spectrum value-delivery platform. Through its new Q-Commerce initiative, the company will offer instant access to national and international branded products — including daily essentials, lifestyle items, and electronics — using advanced digital systems and efficient supply chains.

"Our vision is evolving. We are transforming from a strong re-commerce player to a full-spectrum value-delivery platform," said Mr. Aman Preet, Managing Director of RDCEL. "By entering the Q-Commerce space, we aim to redefine convenience, affordability, and trust by bringing branded products to consumers' doorsteps within minutes."

The newly launched Sustainquest Private Limited will focus on wholesale and distribution of pre-owned and refurbished goods, using technology to improve last-mile delivery and product accessibility. This step strengthens RDCEL's commitment to sustainability and its mission to promote responsible consumption and product reuse.

RDCEL's well-established Rockingdeals Garden Sale continues to attract large numbers of consumers, offering branded products at competitive prices while encouraging sustainable shopping habits.

"With our expansion into Q-Commerce, we are creating a faster, greener, and more inclusive ecosystem for modern consumers," added Mr. Preet.

Looking ahead, RDCEL plans to expand across India through a franchise-led model by FY26 and also aims to enter the MENA region soon. The company's growth strategy includes creating new opportunities in refurbishment, logistics, and retail, contributing to both economic and environmental progress.

With this move, Rockingdeals Circular Economy Limited is strengthening its role as a leader in sustainable retail, combining innovation, affordability, and environmental responsibility to serve modern consumers better.

KUK's Learning Support Centre started at J.C. Bose University

Faridabad/Alive News:

J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, organized the inaugural ceremony of the Counselling Programme of the Learning Support Centre (LSC), Kurukshetra University (KUK), on October 1, 2025, at Vivekanand Auditorium of the University. This event was held in collaboration with KUK's Centre for Distance and Online Education, following a Memorandum of Understanding (MoU) between the two institutions.

The ceremony was attended by distinguished dignitaries, including Prof. (Dr.) Ajay Ranga, Registrar, KUK; Prof. (Dr.) Atul Mishra, Dean, Academic Affairs; Prof. (Dr.) Pradeep Dimri, Dean, Students' Welfare; and Prof. Arvind Gupta, Chairperson, Department of Mechanical Engineering. External experts Dr. Jitender Acharya and Dr. Kuldeep Singh, along with research scholars and students, were also present.

Prof. (Dr.) Divyajyoti Singh, Chairperson, Department of Literature and Languages, extended a warm welcome to the attendees. Prof. Ajay Ranga, in his address, underscored the robust academic collaboration between KUK and J.C. Bose University, urging students to seize the opportunities available for their academic and professional growth. He formally declared the Counselling Session open.

Dr. Jitender Acharya and Dr. Kuldeep Singh, the guest experts, highlighted the significance of interdisciplinary learning for holistic student development. They introduced KUK's diverse Open and Distance Learning (ODL) and online programmes, including certificate, diploma, and advanced diploma courses in Computer Applications, Management, Mass Communication, and internationally recognized language courses in German, French, and Japanese.

Prof. Divyajyoti Singh emphasized the importance of interdisciplinary education in today's fast-evolving world. The session was highly interactive, with students actively engaging and having their queries addressed regarding the various programmes. The event concluded with a Vote of Thanks by Prof. Divyajyoti Singh. Images of the ceremony are available for reference.

MSPS Celebrates Navratri, Dussehra, Gandhi Jayanti & Lal Bahadur Shastri Jayanti with Enthusiasm

Faridabad/Alive News:

Manav Sanskar Public School celebrated Navratri, Dussehra, Gandhi Jayanti, and Lal Bahadur Shastri Jayanti with great enthusiasm and joy in the school premises. The program began with a short introduction about the importance of these festivals and national days.

The Nursery and UKG students won everyone's hearts with their performances as Ramayan characters, showing devotion and righteousness. UKG students also enacted Gandhi Ji, spreading his message of truth and non-violence. Class 1 students performed role plays of Mahatma Gandhi and Lal Bahadur Shastri Ji, highlighting their simplicity and values.

The girls of Class 2 beautifully presented the nine forms of Goddess Durga through Navdurga performances, showcasing strength and power. The celebration of Dussehra reached its peak with the symbolic burning of Ravana, symbolizing the victory of good over evil, followed by chants of Jai Shree Ram.

The event was graced by Director Mr. Yogesh Sharma, Principal Dr. Kaumudi Bhardwaj, Mentor Rama Kaul, and Reena Mishra. They encouraged students to learn from the lives of great leaders and the teachings of our epics.

Director Sir reminded students about the values of Gandhi Ji — truth, non-violence, and simplicity, and Lal Bahadur Shastri Ji — honesty, discipline, and his famous slogan Jai Jawan Jai Kisan. He also shared how Navratri and Dussehra teach us that patience, courage, and goodness always win over evil.

Principal Ma'am told the students that festivals are not only for celebrations but also to learn values. She inspired students to fight against inner evils like anger, greed, and dishonesty, just as Lord Rama defeated Ravana. She also praised the students' efforts in their performances.

Mentor Ma'am said the day was special as it connected students with culture and history. She reminded them that Gandhi Ji and Shastri Ji proved that courage and simplicity can change the nation. She also encouraged students to follow these values in their lives.

The program ended with loud applause, leaving behind a strong message — festivals are not just about joy, but also about adopting values like honesty, courage, and respect for our culture.

किसानों से पराली को पशु चारा, बायो पैलेट और ऑर्गेनिक खाद में बदलने की अपील

Faridabad/Alive News

उपायुक्त (डीसी) विक्रम सिंह के निर्देशानुसार उप कृषि निदेशक डॉ. अनिल सहरावत के नेतृत्व जिले में इस वर्ष एक भी धान के खेत में पराली जलाने से बचने का संकल्प हर गांव की ग्राम पंचायत ने लिया है। इस दिशा में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा पराली प्रोटेक्शन फोर्स का गठन किया गया है, जो यह सुनिश्चित करेगी कि किसान भाईयों को पराली के प्रबंधन में किसी भी प्रकार की कठिनाई न आए।

पराली प्रोटेक्शन फोर्स कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, द्वारा पराली के प्रबंधन को लेकर चलाई गई स्कीम जैसे कि इन-सीटू या एक्स-सीटू प्रबंधन पर प्रति किलो 1200 रुपये की प्रोत्साहन राशि, पराली प्रबंधन के कृषि यंत्रों पर 50 प्रतिशत अनुदान, मेरा पानी मेरी विरासत स्कीम के अंतर्गत धान फसल को बदलकर किसी अन्य फसल बोने पर 8000 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशी इत्यादि के बारे में गांवों में जाकर कैंप लगाकर जानकारी प्रदान कर रहें है। साथ ही गांवो में मुनादी भी करवाई जा रही है कि पराली जलाने को लेकर प्रशासन बहुत सख्त है। जुर्माने के साथ-साथ एफ.आई.आर के भी आदेश है। यदि किसान अपनी फसल 'मेरी फसल, मेरा ब्यौरा' में रेड एंट्री कराते हैं, तो 2 साल तक एमएसपी पर फसल भी नहीं बेच सकते।

उप निदेशक डॉ. अनिल सहरावत ने किसानों से अपील की है कि वे पराली को आग के हवाले न करें बल्कि इसे आय के साधन के रूप में प्रयोग करें। उन्होंने बताया कि पराली को पशु चारे के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, बायो पैलेट बनाकर उद्योगों में बेचा जा सकता है, और खेत में गलाकर ऑर्गेनिक खाद बनाया जा सकता है, जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है और भविष्य की फसलों के लिए लाभकारी साबित होती है।

Free Health Camp Organized by J.C. Bose University in Pali Village

Faridabad/Alive News:

A free health camp was organized in Pali village by the Department of Communication and Media Technology of J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, in collaboration with Zenith Hospital, Ballabgarh. The camp was held as part of the Rural Educational Camp for BSW fifth-semester students. The main aim of the health camp was to provide basic healthcare services to the villagers and to give students hands-on experience in community service. A four-member medical team led by Dr. Yashvi, along with Satish, Dharmendra, and Pushpa, conducted various health check-ups and provided medical consultations to the residents.

Assistant Professor Dr. Akhilesh Tripathi, the camp convener, shared that under the guidance of Prof. Pawan Singh, Chairperson of the CMT Department, the BSW students played an active and dedicated role in organizing the camp. The students personally visited homes to invite villagers and spread awareness about the importance of health check-ups. As a result, many villagers benefited from the free medical services.

Dr. Tripathi added that the camp not only provided healthcare to the rural community but also gave students valuable practical experience. It helped them understand rural health challenges, communicate effectively with the community, and learn how to manage such programs in real-world settings.

The camp was inaugurated in the presence of Sarpanch Raghuvar and members of the Panchayat, who appreciated the combined efforts of the University and Zenith Hospital. They described the initiative as a meaningful service for the rural community. This initiative reflects the department's commitment to socially responsible education connecting classroom learning with real-life experiences and nurturing a spirit of service and responsibility among students.

Grandparents' Day Celebrated with Joy at DAV Gian Prakash Chopra School

Faridabad/Alive News:

DAV Gian Prakash Chopra Public School, Sector 49, Faridabad, celebrated Grandparents' Day with great enthusiasm in the school auditorium. The event was full of smiles, excitement, and love as young students expressed their affection and gratitude towards their grandparents.

The celebration began with the chanting of the Gayatri Mantra and the ceremonial lighting of the lamp, following the Vedic tradition. Beautiful cultural performances by the Kindergarten students set a joyful tone for the day.

The programme was smoothly conducted by the teacher anchor. Students from the Kindergarten Wing recited poems and gave speeches dedicated to their grandparents. The Welcome Dance and the performance on the song 'Aaj Kal Tere Mere' by Nursery B and LKG C students mesmerized the audience. Dances on 'Dadi Amma' by LKG C and 'Hey Shubharambh' by Nursery A also won everyone's hearts.

School Principal Mr. Rajan Gautam addressed the gathering, encouraging grandparents to continue supporting and motivating their grandchildren in every way possible.

A special highlight of the event was the "All Musical Ramayana" performance by UKG students, where they beautifully portrayed characters from the Ramayana. The grandparents were delighted to see the blend of tradition and talent on stage.

The event concluded with a Vote of Thanks, followed by Shanti Path and the National Anthem. The day ended with wonderful memories and smiling faces, making it a truly special celebration for both students and grandparents.

विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : कृष्ण पाल गुर्जर

Faridabad/Alive News

भारत सरकार में केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने इस अवसर पर कहा कि पिछले 10 से 11 वर्षों के जिले में अभूतपूर्व विकास कार्य हुए हैं, जिनका प्रमाण हर गांव, हर सड़क और प्रत्येक सार्वजनिक सुविधा में स्पष्ट दिखाई देता है। केंद्रीय राजयमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने गत सायं गांव सरूरपुर में सड़क निर्माण कार्य का विधिवत उद्घाटन किया। शुभारंभ गांव के लोगों द्वारा नारियल फोड़कर परंपरागत तरीके से किया गया। इस अवसर पर एनआईटी विधायक सतीश फागना भी मौजूद रहे। इस अवसर पर लगभग 2 करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का आरंभ हुआ। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। इसी कड़ी में आज उन्होंने गांव सरूरपुर में लगभग 50 लाख रुपये की लागत से गलियों और सड़कों के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि सरूरपुर से सोहना रोड तक लगभग 1 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से बनने वाली आरएमसी सड़क का निर्माण कार्य भी प्रारंभ किया गया है। उन्होंने जानकारी दी कि यह सड़क 18 फुट चौड़ी आरएमसी रोड होगी, जिसके दोनों ओर 3.3 फुट की इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाई जाएंगी। इस प्रकार कुल मिलाकर 24 फुट चौड़ी आधुनिक सड़क का निर्माण किया जा रहा है, जिससे क्षेत्रवासियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने जीवन में गरीबी को केवल देखा नहीं, बल्कि स्वयं भोगा है, इसीलिए वे गरीबों की समस्याओं को भली-भांति समझते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने पहले दिन से ही स्पष्ट किया था कि उनकी सरकार देश के गरीबों, वंचितों और जरूरतमंदों को समर्पित है। कृष्ण पाल गुर्जर ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा देश के 80 करोड़ नागरिकों को हर महीने 5 किलो मुफ्त अनाज, 60 करोड़ लोगों को साल में मुफ्त इलाज की सुविधा, तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत पहले बच्चे पर 5,000 रुपये और दूसरे बच्चे के रूप में कन्या संतान पर 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि 10 करोड़ महिलाओं को एलपीजी गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं और 90 लाख रेहड़ी-पटरी वालों को मात्र 1 प्रतिशत ब्याज दर पर बैंक ऋण उपलब्ध करवाने का कार्य भी केंद्र सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि ÷सबका साथ, सबका विकास÷ की नीति को अपनाते हुए सरकार समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक विकास और योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। मौजूदा सरकार का लक्ष्य केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों को भी विकास की मुख्यधारा में लाना है। उन्होंने आश्वस्त किया कि सरूरपुर के विकास में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी और प्रदेश को प्रगति की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सबका सहयोग आवश्यक है। एनआईटी विधानसभा क्षेत्र के विधायक सतीश फागना ने कहा कि आज फरीदाबाद विकास के उस मार्ग पर अग्रसर है, जिसकी कल्पना कभी की जाती थी। उन्होंने कहा कि जितनी तेज़ी से विकास कार्य फरीदाबाद में हुए हैं, उतनी गति से किसी अन्य विधानसभा क्षेत्र में नहीं हुई।

सतीश फागना ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले विकास कार्य केवल कागजों तक सीमित थे और जनता को खोखले वादों से गुमराह किया जाता था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने एक नई दिशा और नई सोच के साथ प्रगति की राह पकड़ी है। उन्होंने बताया कि आज फरीदाबाद में रेलवे फाटकों पर अंडरपास और ओवरब्रिजों का निर्माण, सड़कों का चौड़ीकरण, और गांवों से लेकर शहरी इलाकों तक बुनियादी ढांचे का विस्तार तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के ÷सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास÷ के सिद्धांत पर कार्य करते हुए हर क्षेत्र में संतुलित और समान रूप से विकास कार्य हो रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल शहरों का नहीं, बल्कि गांवों, गरीबों और अंतिम पंक्ति के नागरिकों तक विकास की रोशनी पहुंचाना है।

इस अवसर पर जिला परिषद मेंबर हरिंदर भड़ाना, सरपंच साजिद अहमद, पार्षद महेश सहित अन्य कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री ने नई दिल्ली में की शिष्टाचार भेंट

Faridabad/Alive News

महाराष्ट्र मित्र मंडल, फरीदाबाद के प्रतिनिधिमंडल ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, नितिन गडकरी ने नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष राजेन्द्र पंचाल, सचिव प्रवीण राठौड़, तथा सदस्यगण यशवंत पंचाल, गणेश निखरे, तेजस पंचाल और रोहित पंचाल उपस्थित रहे।

भेंट के दौरान मंडल द्वारा दो महत्वपूर्ण निवेदन पत्र मंत्री को सौंपे गए पहला निवेदन पत्र फरीदाबाद में बसे मराठी समाज हेतु एक सामाजिक-सांस्कृतिक भवन के लिए भूमि आवंटन से संबंधित था। मंडल का आग्रह रहा कि हरियाणा में बसे मराठी समाज को एक स्थायी स्थल प्राप्त हो सके, जहां सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक गतिविधियों का आयोजन सुगमता से किया जा सके। दूसरा निवेदन पत्र दिल्ली से मुंबई को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग का नाम 'छत्रपति शिवाजी महाराज राष्ट्रीय राजमार्ग÷ रखने एवं दिल्ली में छत्रपति शिवाजी महाराज की भव्य प्रतिमा स्थापना से संबंधित था। मंडल का कहना था कि इससे देश की सांस्कृतिक एकता सुदृढ़ होगी और आने वाली पीढ़ियों को शिवाजी महाराज के आदर्शों से प्रेरणा मिलेगी।

मंत्री नितिन गडकरी ने मंडल की भावनाओं का सम्मान करते हुए दोनों प्रस्तावों पर सहमति व्यक्त की और आश्वासन दिया कि इन विषयों पर शीघ्र आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने महाराष्ट्र मित्र मंडल के इस प्रयास को समाज और राष्ट्र की एकता एवं सांस्कृतिक गौरव के लिए सराहनीय बताया। महाराष्ट्र मित्र मंडल, फरीदाबाद की यह पहल समाज की एकता, संस्कृति और राष्ट्रीय गौरव को समर्पित एक प्रेरणादायी कदम मानी जा रही है।

Editorial

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@gmail.com
website: www.alivenews.co.in

नारी शक्ति का सवश्रेष्ठ उदहारण है करवा चौथ

रमेश सर्राफ धमोरा

आधुनिक होते समाज में भी महिलायें अपने पति की दीघार्यु को लेकर सचेत रहती है। इसीलिये वो पति की लम्बी उम्र की कामना के साथ करवा चौथ का व्रत रखना नहीं भूलती है। पत्नी का अपने पति से कितने भी गिले-शिकवे रहें हो मगर करवा चौथ आते-आते सब भूलकर वो एकाग्र चित्त से अपने सुहाग की लम्बी उम्र की कामना से व्रत जरूर करती है।

करवा चौथ सभी विवाहित महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार है। सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक पत्नियाँ अपने पति की सलामती के लिए व्रत रखती हैं। पूरे दिन बिना पानी पिए और कुछ भी खाए व्रत रखना आसान नहीं है, लेकिन स्नेही पत्नियाँ अपने पति के प्रति पूरे प्रेम और सम्मान के साथ ये सभी रस्में निभाती हैं। यह त्यौहार हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। करवा चौथ का व्रत हर साल महिलाओं द्वारा अपने पतियों के लिए किया जाता हैं और यह न केवल एक त्यौहार है बल्कि यह पति-पत्नी के पवित्र रिश्तों का पर्व है। कहने को तो करवा चौथ का त्यौहार एक व्रत है लेकिन यह नारी शक्ति और उसकी क्षमताओं का सवश्रेष्ठ उदहारण हैं। क्योंकि नारी अपने दृढ़ संकल्प से यमराज से भी अपने पति के प्राण ले आती हैं तो फिर वह क्या नहीं कर सकती हैं। आज के नये जमाने में भी हमारे देश में महिलायें हर वर्ष करवा चौथ का व्रत पहले की तरह पूरी निष्ठा व भावना से मनाती है।

आधुनिक होते समाज में भी महिलायें अपने पति की दीघार्यु को लेकर सचेत रहती है। इसीलिये वो पति की लम्बी उम्र की कामना के साथ करवा चौथ का व्रत रखना नहीं भूलती है। पत्नी का अपने पति से कितने भी गिले-शिकवे रहें हो मगर करवा चौथ आते-आते सब भूलकर वो एकाग्र चित्त से अपने सुहाग की लम्बी उम्र की कामना से व्रत जरूर करती है। करवा चौथ शब्द करवा अर्थात मिट्टी का बर्तन और चौथ अर्थात चतुर्थी से मिलकर बना है। इस पर्व पर मिट्टी के करवे का विशेष महत्व होता है। सभी विवाहित महिलाएं पूरे वर्ष इस त्योहार की प्रतीक्षा करती हैं और इसकी सभी रस्मों को श्रद्धा के साथ निभाती हैं।

हमारा देश एक धर्म प्रधान देश हैं। यहां साल के सभी दिनो का महत्व होता है तथा साल का हर दिन पवित्र माना जाता है। भारत में करवा चौथ हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह भारत के राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पंजाब का पर्व है। यह कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। यह व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब 4 बजे के बाद शुरू होकर रात में चन्द्रमा दर्शन के बाद सम्पूर्ण होता है। ग्रामीण स्त्रियों से लेकर आधुनिक महिलायें करवा चौथ का व्रत बड़ी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ रखती हैं। यह व्रत लगातार 12 अथवा 16 वर्ष तक हर वर्ष किया जाता है। अवधि पूरी होने के पश्चात इस व्रत का उद्यापन किया जाता है। जो सुहागिन स्त्रियां आजीवन रखना चाहें वे जीवनभर इस व्रत को कर सकती हैं।

किसी भी आयु, जाति, वर्ण, संप्रदाय की सौभाग्यवती स्त्रियों को ही यह व्रत करने का अधिकार है। जो सुहागिन स्त्रियां अपने पति की आयु, स्वास्थ्य व सौभाग्य की कामना करती हैं वे व्रत रखती हैं। बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी पर शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा की स्थापना करें। मूर्ति के अभाव में सुपारी पर नाल बांधकर ईश्वर का स्मरण कर स्थापित करें। पश्चात यथाशक्ति देवों का पूजन करें। करवों में लड्डू का नैवेद्य रखकर नैवेद्य अर्पित करें। एक लोटा, एक वस्त्र व एक विशेष करवा दक्षिणा के रूप में अर्पित कर पूजन समापन करें। दिन में करवाचौथ व्रत की कथा पढ़ें अथवा सुनें।

शास्त्रों के अनुसार पति की दीघार्यु एवं अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए इस दिन भालचन्द्र गणेश जी की पूजा-अर्चना की जाती है। करवा चौथ में दिन भर उपवास रखकर रात में चन्द्रमा को अर्ध्य देने के उपरान्त ही भोजन करने का विधान है। वर्तमान समय में करवा चौथव्रतोत्सव ज्यादातर महिलाएं अपने परिवार में प्रचलित प्रथा के अनुसार ही मनाती हैं। लेकिन अधिकतर स्त्रियां निराहार रहकर चन्द्रोदय की प्रतीक्षा करती हैं। सायंकाल चंद्रमा के उदित हो जाने पर चंद्रमा का पूजन कर अर्ध्य प्रदान करें। इसके पश्चात ब्राह्मण, सुहागिन स्त्रियों व पति के माता-पिता को भोजन कराएं। भोजन के पश्चात ब्राह्मणों को यथाशक्ति दक्षिणा दें। अपनी सासूजी को वस्त्र व विशेष करवा भेंट कर आशीर्वाद लें। यदि वे न हों तो उनके तुल्य किसी अन्य स्त्री को भेंट करें। इसके पश्चात स्वयं व परिवार के अन्य सदस्य भोजन करें। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी अर्थात उस चतुर्थी की रात्रि को जिसमें चंद्रमा दिखाई देने वाला है। उस दिन प्रातः स्नान करके अपने पति की आयु, आरोग्य, सौभाग्य का संकल्प लेकर दिनभर निराहार रहें। उस दिन भगवान शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा का पूजन करें। शुद्ध घी में आटे को सेंककर उसमें शक्कर अथवा खांड मिलाकर नैवेद्य हेतु लड्डू बनाएं। काली मिट्टी में शक्कर की चासनी मिलाकर उस मिट्टी से तैयार किए गए मिट्टी के अथवा तांबे के बने हुए अपनी सामर्थ्य अनुसार 10 अथवा 13 करवे रखें।

करवा चौथ के बारे में व्रत करने वाली महिलाएं कहानी सुनती है। एक बार पांडु पुत्र अर्जुन तपस्या करने नीलगिरी नामक पर्वत पर गए। इधर द्रोपदी बहुत परेशान थीं। उनकी कोई खबर न मिलने पर उन्होंने कृष्ण भगवान का ध्यान किया और अपनी चिंता व्यक्त की। कृष्ण भगवान ने कहा बहना इसी तरह का प्रश्न एक बार माता पार्वती ने शंकरजी से किया था। पूजन कर चंद्रमा को अर्ध्य देकर भोजन ग्रहण किया जाता है। सोने, चाँदी या मिट्टी के करवे का आपस में आदान-प्रदान किया जाता है। जो आपसी प्रेम-भाव को बढ़ाता है। पूजन करने के बाद महिलाएँ अपने सास-ससुर एवं बड़ों को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लेती हैं। तब शंकरजी ने माता पार्वती को करवा चौथका व्रत बतलाया। इस व्रत को करने से स्त्रियां अपने सुहाग की रक्षा हर आने वाले संकट से वैसे ही कर सकती हैं जैसे एक ब्राह्मण ने की थी। प्राचीनकाल में एक ब्राह्मण था। उसके चार लडके एवं एक गुणवती लडकी थी। एक बार लडकी मायके में थी। तब करवा चौथ का व्रत पड़ा। उसने व्रत को विधिपूर्वक किया। पूरे दिन निर्जला रही। कुछ खाया-पीया नहीं, पर उसके चारों भाई परेशान थे कि बहन को प्यास लगी होगी, भूख लगी होगी, पर बहन चंद्रोदय के बाद ही जल ग्रहण करेगी।भाइयों से न रहा गया उन्होंने शाम होते ही बहन को बनावटी चंद्रोदय दिखा दिया। एक भाई पीपल की पेड़ पर छलनी लेकर चढ़ गया और दीपक जलाकर छलनी से रोशनी उत्पन्न कर दी। तभी दूसरे भाई ने नीचे से बहन को आवाज दी देखो बहन चंद्रमा निकल आया है। पूजन कर भोजन ग्रहण करो।

बहन ने भोजन ग्रहण किया। भोजन ग्रहण करते ही उसके पति की मृत्यु हो गई। अब वह दुःखी हो विलाप करने लगी। तभी वहां से रानी इंद्राणी निकल रही थीं। उनसे उसका दुःख न देखा गया। ब्राह्मण कन्या ने उनके पैर पकड़ लिए और अपने दुःख का कारण पूछा। तब इंद्राणी ने बताया कि तूने बिना चंद्र दर्शन किए करवा चौथ का व्रत तोड़ दिया इसलिए यह कष्ट मिला। अब तू वर्ष भर की चौथ का व्रत नियमपूर्वक करना तो तेरा पति जीवित हो जाएगा। उसने इंद्राणी के कहे अनुसार चौथव्रत किया तो पुनः सौभाग्यवती हो गई। इसलिए प्रत्येक स्त्री को अपने पति की दीघार्यु के लिए यह व्रत करना चाहिए। द्रोपदी ने यह व्रत किया और अर्जुन सकुशल मनोवांछित फल प्राप्त कर वापस लौट आए। तभी से हिन्दू महिलाएं अपने अखंड सुहाग के लिए करवा चौथ व्रत करती हैं।

कहते हैं इस प्रकार यदि कोई मनुष्य छल-कपट, अहंकार, लोभ, लालच को त्याग कर श्रद्धा और भक्तिभाव पूर्वक चतुर्थी का व्रत को पूर्ण करता है। तो वह जीवन में सभी प्रकार के दुखों और क्लेशों से मुक्त होता है और सुखमय जीवन व्यतीत करता है। भारत देश में चौथमाता का सबसे अधिक ख्याति प्राप्त मंदिर राजस्थान राज्य के सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा गांव में स्थित है। चौथ माता के नाम पर इस गांव का नाम बरवाड़ा से चौथ का बरवाड़ा पड़ गया। यहां के चौथ माता मंदिर की स्थापना महाराजा भीमसिंह चौहान ने करवायाथा।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

संपादकीय

आर्थिक नगरी के नए युग की उडवन्

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई के लिए एक ऐतिहासिक क्षण साबित हुआ है। लगभग 19650 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से निर्मित यह एयरपोर्ट न केवल महाराष्ट्र बल्कि पूरे देश की विकास गाथा में नया अध्याय जोड़ने जा रहा है। देश के सबसे व्यस्ततम हवाई अड्डों में से एक-छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट-पर लंबे समय से यात्रियों और उड़ानों का अत्यधिक दबाव था। ऐसे में नवी मुंबई एयरपोर्ट का बनना इस दबाव को कम करने के साथ-साथ देश की उभरती अर्थव्यवस्था को पंख देने का काम करेगा। जिससे आर्थिक नगरी की उड़ान बेहतर हो सकेगी। मुंबई पहले से ही व्यापार, उद्योग और वित्त का केंद्र मानी जाती है। अब जब उसके पास दूसरा विश्वस्तरीय एयरपोर्ट होगा, तो न केवल यात्रियों को सुविधा मिलेगी, बल्कि निवेशकों और उद्योगपतियों के लिए नए अवसर भी खुलेंगे। नवी मुंबई एयरपोर्ट के माध्यम से दक्षिण मुंबई से लेकर रायगढ़ और पुणे क्षेत्र तक की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। यह क्षेत्र अब आईटी, पर्यटन, व्यापारिक और लॉजिस्टिक हब के रूप में विकसित हो सकता है। यह परियोजना न केवल भौतिक अवसंरचना का विस्तार है, बल्कि एक नए आर्थिक क्षेत्र की नींव भी है। इस एयरपोर्ट के संचालन से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों रोजगार सृजित होंगे। निर्माण से लेकर हवाई सेवाओं, होटल उद्योग, परिवहन और व्यापार तक हर क्षेत्र को गति मिलेगी। साथ ही, यह पर्यावरणीय दृष्टि से भी एक आधुनिक परियोजना मानी जा रही है, जिसमें सौर ऊर्जा और हरित तकनीक का उपयोग किया गया है। इससे भारत की 'ग्रीन एविएशन की दिशा में भी एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है। परंतु हर बड़े प्रोजेक्ट की तरह चुनौतियां भी हैं-स्थानीय निवासियों का पुनर्वास, पर्यावरण संरक्षण और यातायात व्यवस्था जैसे मुद्दों पर सरकार और स्थानीय निकायों को संवेदनशील और पारदर्शी रहना होगा। केवल ढांचागत विकास ही नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण भी उतना ही आवश्यक है ताकि विकास समावेशी हो। इस एयरपोर्ट के शुभारंभ के साथ मुंबई की उड़ानें अब और ऊंची होंगी। यह परियोजना न्यू इंडिया की उस सोच का प्रतीक है, जो आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा दोनों को साथ लेकर चलना चाहती है। मुंबई-जो कभी सपनों का शहर कही जाती थी-अब विश्व स्तरीय संपर्क के साथ एक नई दिशा में बढ़ रही है। नवी मुंबई एयरपोर्ट केवल एक हवाई अड्डा नहीं, बल्कि भारत के विकास की नई राह है-जहां आसमान अब सिर्फ उड़ानों का नहीं, संभावनाओं का प्रतीक बन चुका है।

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया। संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है।

मानसिक स्वास्थ्य दिवसः अनेक कामनाओ के कारण मनुष्य का मन बिखरा हुआ और अस्थिर है

कांतिलाल मांडोत

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हर साल 10 अक्टूबर को मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य दुनिया भर में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और मानसिक स्वास्थ्य के समर्थन में प्रयासों को गति देना है। मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का समय आ गया है।आज व्यक्ति के जीवन में अनेक विसंगतियों हैं। इन विसंगतियों का कारण मनुष्य-जीवन में बढ़ता तनाव है। व्यक्ति की लालसा है कि समग्र आकाश उसके आँगन में उतर आये। जो चीज असम्भव है, उसी की ही प्रत्याशा में वह दिन-रात लगा हुआ है। चाहे उसके लिए उसे अपनी अस्मिता को ही दाँव पर क्यों न लगाना पड़े ? वह दौड़ रहा है। एक पल भी रुकने का उसके पास समय नहीं है।

आज इनसान अपना सारा समय संसार की नश्वर चीजों को ही बटोरने में लगा रहा है। संग्रह की प्रवृत्ति उसमें निरन्तर बढ़ती जा रही है।भौतिक प्यास कभी बुझती नहीं है। जो सम्पदा उसके पास अनादिकाल से है इसकी और उसे न कोई ध्यान है और न चाह है। उसका लगाव तो क्षणिक और नश्वर चीजों में ही है। इन सब बातों का उस पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है जिसके कारण उसका जीवन अशांत व अस्थिर है। उसे कदाचित यह नहीं मालूम है कि दुनियाँ में सारी चीजें किसी एक को नहीं मिल पाती हैं।

अनेकानेक कामनाओं के कारण आज मनुष्य का मन यत्र-तत्र बिखरा हुआ है, अस्थिर है। कदाचित वह इस बात से अनभिज्ञ है कि वह अपनी समस्त कामनाओं की पूर्ति नहीं कर सकता है। जैसा किसी व्यक्ति का छलनी में जल भरना सम्भव नहीं है, ठीक उसी प्रकार कामनाओं की पूर्ति उसके लिए अशक्य है।आज पूरा विश्व तनावों से जूझ रहा है। तनावों के बोझ तले किसी एक राष्ट्र विशेष के ही नहीं, सभी राष्ट्रों के नागरिक अपना जीवन बसर कर रहे हैं। कोई भी राष्ट्र इससे अछूता नहीं है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी आज यह एक विकट समस्या है। इसलिए इस पर अनेक चचाएँ-परिचचाएँ. संगोष्ठियों-सेमिनार आदि हो रहे हैं। जब से औद्योगिकीकरण, प्रौद्योगिकीकरण तथा शहरीकरण पनपा है या विकसित हुआ है, महानगरों में धुएँ उगलते, शोर मचाते यातायात बढ़े हैं, आबादी-भीड़ और मँहगाई बढ़ी है, बाजारों से रोजमर्रा की चीजें कठिनाइयों से उपलब्ध हो रहीं हैं, जल, वायु, भोजन, सब दूषित प्रदूषित हो रहे हैं, तब तनावों की यह समस्या और भयावह हुई है।

आज अधिकांश मानव तनावों की गिरफ्त में है। यह तो हो सकता है कि अमुक राष्ट्र के लोगों में यह कम या बहुतायत में हो, पर कोई राष्ट्र इससे अछूता नहीं है। आश्चर्य तो तब होता है जब भारत देश के लोग भी आज तनावों से सर्वाधिक पीड़ित-प्रपीड़ित नजर आ रहे हैं। यहाँ के लोगों की तनावपूर्ण जिन्दगी को देखकर हर कोई यह अनुभव कर सकता है कि आज का भारत पहले का भारत नहीं रहा है। उसकी छवि निश्चय ही धूमिल हुई है। कभी यह देश आध्यात्मिक शान्ति का मार्गद्रष्टा था। यहाँ अध्यात्म की गंगा सतत प्रवहमान थी। शान्त, सहज, सरल व प्रामाणिक जीवन जीने वाले यहाँ के पूर्वज जीने की कला में ही नहीं, मरने की कला में मन की मूढ़ अवस्था में विभिन्न तनाव, रोग पनपते हैं जबकि मन की अमूढता में ये ही तनाव विनसते भी हैं। इस प्रकार मन तनाव का कारण भी है और निवारक भी है। मन की यह विशेषता है कि वह सदा सक्रिय रहता है, जाग्रत रहता है। एक क्षण को भी वह न सोता है और न विश्राम ही लेता है। चाहे निद्रा में व्यक्ति हो या अनिद्रा में, किसी भी स्थिति में हो यह सदा जागता रहता है। यह बात अलग है कि उसका जागरण या उत्तकी सक्रियता बहिर्जगत की ओर हो या अन्तर्जगत की ओर, पर उसकी सक्रियता सदा बनी रहती है। स्वस्थ व तनावरहित रहने के लिए तथा शांति व आनन्द के लिए मन को रोकना नहीं अपितु मन की दिशा को मोड़ना होता है। बहिर्जगत से अन्तर्जगत की ओर यानी अध्यात्म की दिशा में मन को प्रवृत्त करना होता है।

मन, अमन की स्थिति में आए, इसके लिए नीतिकारोंने कहा कि व्यक्ति प्रामाणिकता के साथ, वर्तमान में जीना सीखे जिससे अनावश्यक कल्पनाओं, योजनाओं, स्मृतियों, चेष्टाओं का चक्र टूट सके। सोते-जागते हर समय उठने वाली अनावश्यक स्मृतियाँ-कल्पनाएँ मन को भटकाती हैं जबकि जीवन के लिए कल्पनाएँ, स्मृतियाँ जितनी आवश्यक हैं उतनी ही होनी चाहिए। क्योंकि बिना इनके जीवन चल नहीं सकता है। आवश्यक कल्पनाओं-स्मृतियों का अपना एक उपयोग होता है। इससे मन तो विश्राम पाता ही है, भारमुक्त भी होता है। साथ ही मानसिक तनावों से छुटकारा भी मिलता है।

मन की अनन्त पयार्यें होती हैं। प्रतिपल ये परिवर्तित होती रहती हैं। अनुकूलता में इसका कुछ और रूप तथा प्रतिकूलता में कुछ और ही रूप होता है। इसलिए साधकों ने इस बात पर अत्यधिक बल दिया कि पहले मन को अनुकूल और प्रतिकूल दोनों स्थितियों में सम बनाया जाए। मन को समत्व में लाने का उन्होंने एक सूत्र दिया है। यह सूत्र है सहिष्णुता का। सहिष्णुता का अभ्यास मन को समत्व भूमि पर प्रतिष्ठित कराता है। मन का समत्व भूमि पर प्रतिष्ठित होना ही मन की निर्मल अवस्था है। इससे शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की स्वस्थता प्राप्त की जा सकती है।

बदलाव एवं विकास की राह ताकता बिहार चुनाव

ललित गर्ग

बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। मतदान की तिथियों की घोषणा के साथ ही लोकतंत्र का यह महायज्ञ आरंभ हो चुका है, जिसमें करोड़ों मतदाता दो चरणों में दिनांक 6 और 11 नवंबर को अपने मत के माध्यम से राज्य की दिशा और दशा दोनों तय करेंगे। इस बार का चुनाव सिर्फ सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि विचार और व्यवस्था परिवर्तन का चुनाव है। बिहार लंबे समय से जिस पिछड़ेपन, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और अराजकता की बेड़ियों में जकड़ा रहा है, उससे मुक्ति का यह अवसर है। 14 नवंबर को मतगणना के साथ बिहार में नई सरकार की तस्वीर सामने होगी, लेकिन राज्य में सियासत जिस तरह आकार ले रही है, मतदान तक कई उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। बिहार के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो यह धरती कभी बुद्ध की करुणा और चाणक्य की नीति की जननी रही है, लेकिन आज वही बिहार कानून व्यवस्था की विफलताओं, जातिवाद की जंजीरों और विकासहीनता की विवशताओं से जूझ रहा है। सड़कें टूटी हैं, शिक्षा व्यवस्था जर्जर है, चिकित्सा तंत्र कमजोर है, और रोजगार की तलाश में हर साल लाखों युवा अपनी मातृभूमि छोड़ने को विवश हैं। ऐसे में यह चुनाव एक सामाजिक जागृति का अवसर भी है, जब मतदाता केवल चेहरे नहीं, चरित्र और चिंतन को वोट देंगे।

राजनीतिक दल अपनी-अपनी घोषणाओं, वादों और दृष्टि-पत्रों के साथ मैदान में हैं। कोई 'नया बिहार' बनाने का नारा दे रहा है, तो कोई 'विकसित बिहार' का। लेकिन सवाल यह है कि क्या घोषणाओं से बिहार का भाग्य बदलेगा, या फिर यह चुनाव भी परंपरागत नारों और जातीय समीकरणों के हवाले हो जाएगा? यह समय है कि जनता दलों से नहीं, दिशा से जुड़ाव करे; नारे से नहीं, नैतिकता से संवाद करे। पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार बिहार का चेहरा बने हुए हैं और यह चुनाव भी अलग होता नहीं दिख रहा। मूल सवाल यही है कि क्या नीतीश को एक और मौका जनता देगी? राज्य में एनडीए ने उन्हें आगे कर रखा है और महागठबंधन से सीधी टक्कर मिल रही है। 2005 से नीतीश कुमार बीच के कुछ समय को छोड़ कर सत्ता पर काबिज हैं। इस दौरान उन्होंने 9 बार शपथ ली और कई बार पाला बदला। गठबंधन के साथी बदलते रहने और कम सीटों के बावजूद मुख्यमंत्री वही बने। इसके पीछे उनकी अपनी 'सुशासन बाबू' की छवि भी है, लेकिन अब इसे चुनौती मिल रही है। पहली बार नीतीश सरकार को भ्रष्टाचार के आरोपों में घेरने की कोशिश हो रही है। वहीं, कानून-व्यवस्था का मामला भी चिंता बढ़ाने वाला है। हाल के महीनों में पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका और हॉस्पिटल में घुसकर गैंगस्टर की हत्या ने सरकार की परेशानी बढ़ाई। नीतीश और भाजपा ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हर चुनाव में जंगलराज की तरह पेश किया, पर अब सवाल विपक्षी दल पूछ रहे हैं। यह चुनाव ऐसे अनेक सवालों के घेरे में हैं।

विकास पर जोर के बावजूद बिहार की राजनीति में जाति एक निर्णायक कारक है। हर पार्टी की चुनावी रणनीति समुदाय आधारित लामबंदी से गहराई से प्रभावित है। दोनों प्रमुख गठबंधन एनडीए और महागबंधन सीट बंटवारे की बातचीत में उलझे हैं। 243 विधानसभा सीटों में से गठबंधन में से किस पार्टी को कितनी सीटें मिलेंगी और किसे कोन-सी सीट मिलेगी, यह विवाद का विषय है। पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए और महागठबंधन के बीच सीधा मुकाबला हुआ था- इस बार समीकरण में प्रशांत किशोर की जन सुराज भी है, जो भ्रष्टाचार ओर पलायन का मुद्दा उठाए हुए हैं। कुछ और भी नये राजनीतिक दल मैंदान में हैं। बिहार की सबसे बड़ी चुनौती कानून व्यवस्था और प्रशासनिक सुदृढ़ता की है। आए दिन होने वाली अपराध घटनाएं और अराजकता ने राज्य की छवि को धूमिल किया है। एक ऐसा शासन चाहिए जो भयमुक्त समाज दे सके, जहां नागरिक सुरक्षित महसूस करें, जहां अपराध पर अंकुश हो और न्याय त्वरित मिले। विकास तभी संभव है जब विश्वास का माहौल बने।

बिहार की राजनीति में इस बार कई नए दल और कई पुराने चेहरे नए दल के साथ दिखाई देने वाले हैं। प्रशांत किशोर की पार्टी 'जनसुराज', तेजप्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल, उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा और पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी पहली बार बिहार विधानसभा के चुनाव में नजर आने वाली है। ऐसे में सभी दल चुनावी जंग में ताल ठोकने को तैयार है। मगर देखने वाली बात ये होगी कि कौन सी पार्टी अपना कितना दम दिखा पाती है? क्या प्रशांत किशार की पार्टी उनके दावे के अनुसार प्रदर्शन करती है या फुस्स साबित होती है, वहीं, तेजप्रताप यादव अपनी पार्टी बनाकर तेजस्वी यादव को कितना झटका देते है। यह सब अब चुनाव के परिणाम पर तय होगा। साथ ही यह भी तय होगा कि कौन सी पार्टी अपना अस्तित्व बचा पाती है कौन नहीं? यह चुनाव बिहार की आत्मा को झकझोरने वाला क्षण है। यहां की जनता अब सिर्फ रोटी-कपड़ा-मकान नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, और सम्मानजनक जीवन चाहती है। यह चुनाव इस आकांक्षा का प्रतीक है। जो भी दल इस वास्तविकता को समझेगा, वही बिहार का भविष्य गढ़ पाएगा।

आज बिहार के मतदाता अधिक सजग एवं विवेकशील हैं। वे जानते हैं कि सत्ता परिवर्तन से अधिक जरूरी है संस्कृति परिवर्तन, राजनीतिक शुचिता और प्रशासनिक जवाबदेही। यह चुनाव केवल विधानसभा की सीटें तय नहीं करेगा, बल्कि यह तय करेगा कि क्या बिहार अपनी पुरानी परछाइयों से निकलकर प्रकाश की ओर बढ़ पाएगा। क्योंकि बिहार में पिछड़ेपन, भ्रष्टाचार, अराजकता की चर्चा होती रहती है, इसलिये यह स्वाभाविक है कि राज्य का विकास, कानून व्यवस्था एवं रोजगार का मुद्दा भी पक्ष-विपक्ष के बीच एक प्रमुख चुनावी मुद्दा होगा। हालांकि पिछली सरकारों के दौर में बिहार बदहाली के दौर से काफी निकल चुका है और विगत दो दशक में यहां की स्थितियां काफी बदली है। इस बार बिहार चुनाव बदला-बदला होगा, इसकी आहट उन घोषणाओं से भी मिलती है, जो नीतीश सरकार ने की हैं। महिलाओं, दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए पहली बार इस पैमाने पर ऐलान किए गए हैं। वहीं आरजेडी और कांग्रेस ने पूछा है कि इसके लिए पैसा कहां से आएगा? जनता वादों पर भरोसा करती है या बदलाव संग जाती है, जवाब मिलने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

वैसे, बिहार चुनाव का इतना ज्यादा महत्व कोई नई बात नहीं है। विगत दो दशक से एक विशेष क्रम बना हुआ है। लोकसभा चुनाव के अगले साल बिहार विधानसभा के चुनाव होते हैं। केंद्र में जो पार्टी विपक्षी गठबंधन में रहती है, वह बिहार विधानसभा चुनाव में अपना पूरा जोर लगा देती है, जिससे चुनाव कुछ ज्यादा रोचक एवं उत्तेजक बन जाता है। सियासी स्थिति का आकलन करें, तो बिहार में लगभग बीस साल शासन के बावजूद जनता दल यूनाइटेड या नीतीश कुमार की ताकत को कोई भी खारिज नहीं कर रहा है। भाजपा पूरी मजबूती से नीतीश कुमार के साथ खड़ी है, ताकि सत्ता बनी रहे। दूसरी ओर, राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व वाला महागठबंधन अभी नहीं, तो कभी नहीं वाले अंदाज में जोर लगा रहा है। लोकतंत्र की इस परीक्षा में बिहार एक नई इबारत लिख सकता है-एक ऐसा बिहार जो शिक्षित हो, संगठित हो, और सजग हो। जहां राजनीति सेवा का माध्यम बने, संघर्ष का नहीं; जहां सत्ता संवेदना की भाषा बोले, स्वार्थ की नहीं। बिहार का यह जनादेश वास्तव में इतिहास रच सकता है-यदि जनता 'जाति' नहीं, 'न्याय' को चुने; 'वादा' नहीं, 'विश्वास' को चुने। यह चुनाव बिहार के भाग्य परिवर्तन की कुंजी बन सकता है-बशर्ते हम सब मिलकर कहें- 'अब की बार, सुशासन और सुधार।'

मेले में बड़ी संख्या में क्यों नहीं पहुंचे पर्यटक?

Faridabad/Alive News

दो अक्टूबर को शुरू हुए सूरजकुंड दीवाली मेले से स्टॉल संचालकों को बड़ी उम्मीद थी कि यहां कद्रदान मिलेंगे और उनके उत्पादों की बिक्री भी खूब होगी। मगर अपेक्षा के अनुरूप ऐसा हुआ नहीं। सात अक्टूबर को मेले का समापन हो गया और इस दौरान छह दिनों में 12500 टिकटों की बिक्री हुई। पर्यटकों की पर्याप्त संख्या न होने के कारण कारोबार प्रभावित हुआ और स्टॉल संचालक निराश मुद्रा में लौटे। कई स्टाल संचालक तो ऐसे थे, जिन्होंने कहा कि मुनाफा तो दूर की बात उन्हें घाटा हो गया।

हर वर्ष फरवरी में लगने वाले सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले से सूरजकुंड दीवाली मेला बिल्कुल अलग था। फरवरी में लगने वाले मेले में तो देश-विदेश से शिल्पियों को विशेष तौर पर आमंत्रित किया जाता है। उनके ठहरने और खानपान की व्यवस्था पर्यटन विभाग की ओर से होती है। मगर यह दीवाली मेला पूरी तरह से व्यावसायिक रहा। मेले में अलग-अलग क्षेत्र में कारोबार करने वाले ज्वैलरी निर्माता, विक्रेता मोमबत्ती,

दीये के कारोबार के साथ ही सजावटी सामान से जुड़े कारोबारियों ने स्टाल खरीदे थे। लगभग 450 स्टार लगाए गए थे, इनमें से 50 से अधिक स्टॉल फूड कोर्ट में थे।

संचालकों ने नाराजगी जताई कि उन्होंने 10 हजार रुपये में एक स्टॉल खरीदा है, मगर उनके यहां इतनी भी बिक्री नहीं हुई कि खर्च निकल सके, हालांकि कई स्टॉल राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूह को भी प्रदान किए गए थे। एक समूह से हजार रुपये शुल्क लिया गया था और उन्हें स्टाल उपलब्ध कराए गए थे।

व्यवस्था को लेकर जताई नाराजगी

सेक्टर-नौ निवासी कुशाग्र बजाज मेटल की ज्वैलरी व सजावटी उत्पाद लेकर आई थी। मेले में उनके साथ एक सहायक भी था। सहायक का वेतन, स्टॉल का किराया, पार्किंग का खर्चा,प्रतिदिन लंच और डिनर का बिल कुल मिला कर उनका यहां 34200 रुपये खर्च हुए हैं, मगर उनकी इतनी राशि की भी बिक्री नहीं हुई है।

कुशाग्र ने पर्यटन निगम को सुझाव दिया कि पर्यटकों को बढ़ावा देने के लिए टिकट दर कम होनी चाहिए। बल्कि ऐसे दीवाली मेले में तो टिकट का शुल्क रखा ही नहीं जाना चाहिए क्योंकि इन दिनों लोग स्वयं ही फेस्टिव मूड में व्यस्त होते हैं। टिकट लेकर इतनी दूर कोई क्यों मेला प्रांगण तक आएगा। दर्शक आएं तभी तो कारोबार बढ़ेगा और खर्च निलेंगे, आय भी होगी। महरौली, दिल्ली से मेले में कारोबारी ओम गुप्ता डेकोरेटिव दीये और रंग-बिरंगी लाइट लाए थे। इन्होंने मेले को सफल बनाने के लिए टिकट दर 100 रुपये से कम कर के 30 रुपये दिए जाने की मांग की।

वजीरपुर गांव फरीदाबाद निवासी कैंडल निर्माता विवेक तलवार ने स्टॉल की दुर्दशा बारे नाराजगी जताई। विवेक ने कहा कि जिस हट में उन्होंने स्टॉल लगाया है। वह काफी जर्जर है। छत की हालत देख कर लगाता है कि लंबे समय से इसकी मरम्मत नहीं की गई है। उन्होंने सुझाव दिया कि स्टाल दोनों तरफ से कवर होना चाहिए, ताकि उत्पाद सुरक्षित रहें। ऐसे में उन्हें स्टाल को कवर करने के लिए अपने खर्चे पर कपड़े के पर्दे लगाने पड़े। उनके यहां अपेक्षा के अनुरूप पर्यटकों ने खरीदी नहीं की।

सेवा पखवाड़ा पर मानव सेवा समिति ने लगाया मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर

Faridabad/Alive News

सेवा पखवाड़ा के तहत 'स्वस्थ नारी - सशक्त परिवार' अभियान पर मानव सेवा समिति ने अपने कार्यालय मानव भवन, सेक्टर-10

में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। यह शिविर स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से लगाया गया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता टिपर चंद शर्मा ने कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा के प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया, जबकि सिविल सर्जन डॉ. जयंत आहूजा विशेष अतिथि रहे। इस मौके पर टिपर चंद शर्मा ने कहा कि यदि परिवार की नारी स्वस्थ होगी तो पूरा परिवार सशक्त और खुशहाल बनेगा। उन्होंने समिति की सेवा भावना और कार्यों की सराहना की।

शिविर में डॉ. टी.सी. गिडवाल (एसएमओ बल्लभगढ़) के नेतृत्व में डॉ. आशिमा केसरी और डॉ. सोनम शर्मा ने महिलाओं व बच्चों के रोगों की जांच की। वहीं डॉ. गजराज सिंह और डॉ. अनूप कुमार ने सामान्य रोगों के मरीजों का इलाज किया। बच्चों को रोग प्रतिरोधक टीके लगाए गए। मरीजों की ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन और आंखों की जांच की गई और दवाइयां मुफ्त दी गईं। कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष कैलाश शर्मा, महासचिव सुरेंद्र जग्गा, कोषाध्यक्ष राजेंद्र गोयनका, प्रोजेक्ट चेयरमैन संजीव शर्मा, उपाध्यक्ष कैलाश चंद शर्मा, मुख्य संरक्षक प्रेम पसरीजा, प्रभारी आई.सी. जैन, वरिष्ठ सलाहकार बी.के. माहेश्वरी, बनवारी लाल गुप्ता, आर.के. सिंगला, गोरामल और अनूप गुप्ता मौजूद रहे। अतिथियों और डॉक्टरों का फूल मालाओं, सम्मान पट्टिकाओं और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

सराय के राजकीय विद्यालय में चलाया गया प्लास्टिक मुक्त स्वच्छता अभियान

Faridabad/Alive News

सराय ख्वाजा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड द्वारा प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में सेवा पखवाड़े के अंतर्गत पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री एवं महात्मा गांधी जयंती के उपलक्ष्य में साइकिल रैली की मदद से प्लास्टिक मुक्त स्वच्छता अभियान चलाया गया।

प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि देश को स्वच्छ बनाना और प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने की

आवश्यकता है। सभी नागरिक, विद्यार्थी, युवा, वयस्क और वयोवृद्ध सामूहिक रूप से अपने सीमावर्ती क्षेत्रों में गहन स्वच्छता अभियान में सम्मिलित हो कर स्थायी रूप से स्वच्छ भारत का निर्माण कर सकते हैं। अब समय आ गया है कि प्लास्टिक वेस्ट को उचित प्रकार से निष्पादित करें। जेआरसी और एस जे ए बी सदस्यों ने विद्यालय परिसर से सराय ख्वाजा मुख्य बाजार, जी टी रोड एवं निकवर्ती कंपनियों में प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान के साथ - साथ स्वच्छता अभियान के अंतर्गत साइकिल पर संदेश लिखी पट्टिकाओं के माध्यम से विशाल जन जागरूकता रैली भी निकाली गई। मनचंदा ने कहा कि विद्यार्थियों को भी स्वच्छता का संदेश अपने - अपने घर के प्रत्येक सदस्य को देना हैं तथा उन्हें भी स्वच्छता में सहयोग देने के लिए प्रेरित करना है। लोगों को स्वच्छता अपनी आदत बनाना है। आज भारत माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान में सभी देशवासी समर्पण और सहयोग से उन्नति के पथ पर नवीन भारत, समृद्ध एवं स्वच्छ और साक्षर भारत के निर्माण में प्रयास कर रहा है।

प्राचार्य मनचंदा ने सभी स्टाफ सदस्यों और अध्यापकों दिनेश, निखिल, राहुल, दिलबाग चौहान तथा जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड सदस्यों का स्वच्छता अभियान द्वारा स्वच्छ बनाने और स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने के लिए आभार व्यक्त करते हुए अपने आस - पास के क्षेत्र को सदैव स्वच्छ रखने का आग्रह किया।

राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के अंतिम दिन खिलाड़ियों ने दिखाई शानदार प्रतिभा

Faridabad/Alive News

सेक्टर-12 स्थित खेल परिसर में जिला शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आज समापन हुआ। अंतिम दिन भी खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

अंडर-17 वर्ग में हैमर थ्रो में भिवानी की साक्षी ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि झज्जर की निशु शर्मा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। 4म400 मीटर रिले में (अंडर 17) करनाल की लक्षिता की टीम पहले स्थान पर रही।

फरीदाबाद की कल्पना की टीम ने दूसरा और जींद की अमन की टीम ने तीसरा स्थान पाया। अंडर-19 वर्ग में हैमर थ्रो में झज्जर की दीपांशी ने पहला और झज्जर की ही मीनू ने दूसरा स्थान हासिल किया। 4म400 मीटर रिले (अंडर 19) में झज्जर की नैंसी की टीम ने पहला, रोहतक की जिया की टीम ने दूसरा और कैथल की मनप्रीत की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

क्रॉस कंट्री रेस (अंडर 19) में खिलाड़ियों ने जबरदस्त प्रतिस्पर्धा

दिखाई। इसमें भिवानी की तमन्ना ने पहला, हिसार की दुर्गा ने दूसरा, रोहतक की आरजू ने तीसरा, भिवानी की वंशिका ने चौथा, हिसार की किरण ने पांचवा और अंबाला की भारती ने छठा स्थान हासिल किया।

प्रतियोगिता के समापन अवसर पर अधिकारियों ने विजेताओं को बधाई दी और कहा कि ऐसे आयोजन से युवाओं में खेल भावना और प्रतिस्पर्धात्मक ऊर्जा का विकास होता है। मिली जानकारी के मुताबिक अंडर-17 वर्ग से 22 और अंडर-19 वर्ग से 24 बालिकाओं का चयन हरियाणा के 23 जिलों से नेशनल स्कूल गेम्स के लिए किया गया है।

मार्केट कमेटी अध्यक्ष बने राजेश सोलंकी, समर्थकों ने जताया आभार

Faridabad/Alive News

तिगांव मार्केट कमेटी के नए अध्यक्ष बने राजेश सोलंकी के समर्थकों और क्षेत्र की तमाम सरदारी,

विशेषकर क्षत्रिय समाज के लोगों ने मंत्री राजेश नागर से मुलाकात कर उन्हें गुलदस्ता भेंट किया।

इस मौके पर मंत्री राजेश नागर ने कहा कि यह नियुक्ति वास्तव में भाजपा सरकार की 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की नीति का परिणाम है, जिसके तहत समाज के हर वर्ग को नेतृत्व का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के 'सबका साथ, सबका विकास' के आदर्श वाक्य को पूरा करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

मंत्री नागर ने कहा कि मार्केट कमेटियों में योग्य लोगों को जिम्मेदारी दी गई है और जल्द ही जनता को इनसे बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी। उन्होंने राजेश सोलंकी को नई जिम्मेदारी की बधाई दी और हर संभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर तिगांव मार्केट कमेटी अध्यक्ष राजेश सोलंकी ने कहा कि वह मंत्री राजेश नागर के कुशल नेतृत्व में क्षेत्र के लोगों तक सुशासन और सुविधाएं पहुंचाने का हर संभव प्रयास करेंगे।

कार्यक्रम में क्षत्रिय सभा बल्लभगढ़ के पूर्व अध्यक्ष राजेश रावत, अध्यक्ष प्रताप सिंह, भाजपा मंडल तिगांव के महामंत्री नेपाल सिंह भाटी, मनवीर सिंह भाटी, सूरज पाल भूरा सरपंच चांदपुर, नेत्रपाल चेयरमैन छांयसा, बृजभान पूर्व सरपंच फज्जुपुर, कमल सरपंच फज्जुपुर, तारा सरपंच शाहपुरा, सुभाष पूर्व सरपंच अरूआ, अजीत सिंह योगाचार्य, अशोक सरपंच कौराली सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सूरजकुंड दीपावली मेले में निगम का स्टॉल, सीएम नायब सिंह सैनी ने किया उद्घाटन

Faridabad/Alive News

दीपावली पर्व के मौके पर सूरजकुंड में लगे दीपावली मेले में नगर निगम फरीदाबाद ने स्टॉल नंबर 797 लगाया। इस स्टॉल का उद्घाटन प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने फीता काटकर किया। इस दौरान शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल, कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा, मंत्री राजेश नागर, विधायक पं. मूलचंद शर्मा और महापौर प्रवीण जोशी भी मौजूद रहे।

निगम के इस स्टॉल का मकसद लोगों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए जागरूक करना है। यहां नागरिकों को 'लोकल फॉर वोकल' का संदेश

दिया गया और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की अपील की गई। साथ ही लोगों को कपड़े, कागज और जूट के थैले इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि फरीदाबाद को प्लास्टिक-मुक्त बनाया जा सके। स्टॉल पर आने वाले लोगों को 11 हफ्तों से चल रहे स्वच्छता अभियान की जानकारी दी जा रही है। साथ ही गीले और सूखे कचरे को अलग करने के महत्व को समझाया जा रहा है, वृक्षारोपण जैसे अभियानों की जानकारी दी जा रही है और नागरिकों से स्वच्छता की शपथ भी दिलाई जा रही है। निगम ने लोगों से अपील की है कि वे इस पहल से जुड़ें और 'मेरा शहर, मेरी ज़िम्मेदारी' के मंत्र को अपनाते हुए स्वच्छ, हरित और सुंदर फरीदाबाद बनाने में सहयोग करें।

इस मौके पर निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा, अतिरिक्त आयुक्त सलोनी शर्मा, जॉइंट कमिश्नर जितेंद्र जोशी, जॉइंट कमिश्नर एशवीर सिंह, एक्सपर्ट कल्पना मंडल और निगम के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

आरटीई नियम तोड़ने वाले 124 प्राइवेट स्कूलों का एमआईएस पोर्टल बंद

Faridabad/Alive News

शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत 25 प्रतिशत सीटों की जानकारी नहीं देने वाले प्राइवेट स्कूलों के खिलाफ शिक्षा निदेशालय ने कार्रवाई की है। बल्लभगढ़ और फरीदाबाद ब्लॉक के ऐसे 124 प्राइवेट स्कूलों का एमआईएस (प्रबंधन सूचना प्रणाली) पोर्टल बंद कर दिया गया है। इन पर जुर्माना लगाने की भी तैयारी है। निदेशालय और स्कूलों के बीच हो रही खींचतान के कारण बच्चों को नुकसान हो रहा है। शैक्षणिक सत्र के छह महीने बीत जाने के बाद भी बच्चों के दाखिले नहीं हो पा रहे हैं।

आरटीई के तहत दाखिला प्रक्रिया अप्रैल से शुरू हुई थी। इससे पहले निदेशालय की ओर से सभी प्राइवेट स्कूलों से आरटीई के तहत आरक्षित 25 प्रतिशत सीटों की जानकारी मांगी गई थी। मगर ज्यादातर स्कूलों ने निदेशालय के आदेशों को गंभीरता से नहीं लिया।

इस कारण दाखिला प्रकिया देरी से शुरू हुई।

दाखिला लेने में आनाकानी कर रहे: बता दें कि शहर में एक हजार से अधिक प्राइवेट स्कूल वर्तमान में संचालित हो रहे हैं। इनमें से 124 ऐसे स्कूल हैं जिन्होंने आज तक सीटों की जानकारी साझा नहीं की है। निदेशालय ने सख्ती बरतते हुए इन स्कूलों का एमआईएस पोर्टल बंद कर दिया गया है। वहीं, कई स्कूल ऐसे हैं जिन्होंने निदेशालय के डर से सीटों की जानकारी तो दे दी, लेकिन दाखिला लेने में आनाकानी कर रहे हैं। ऐसे स्कूलों पर भी निदेशालय की नजर है। बताया जा रहा है कि ऐसे स्कूलों पर जुर्माना भी लगाया जाएगा।

शिक्षा का अधिकार का यह है नियम

प्राइवेट स्कूलों में शिक्षा का अधिकार के तहत 25 प्रतिशत सीटें आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए आरक्षित होती हैं। योजना के तहत विद्यार्थियों को प्राइवेट स्कूलों में निश्शुल्क शिक्षा दी जाती है। ऐसे विद्यार्थियों की फीस का भुगतान सरकार की ओर से की जाती है। लेकिन कई प्राइवेट स्कूल मनमानी करते हुए दाखिला नहीं दे रहे हैं। ऐसे स्कूलों से निदेशालय सख्ती से निपट रहा है।

बच्चों को मिल सके दाखिला

'जिन प्राइवेट स्कूलों ने आरटीई के तहत सीटों की जानकारी नहीं दी तथा जिन्होंने बच्चों को दाखिला नहीं दिया है। निदेशालय के आदेशानुसार उनकी सूची बनाकर भेज दी गई है। निदेशालय की ओर से ही कार्रवाई की जा रही है। शिक्षा विभाग की ओर से पूरी कोशिश की जा रही है कि बच्चों को दाखिला मिल सके।'

-नरेश कुमार, जिला समन्वयक, आरटीई।

आत्मनिर्भर भारत मेला में देवी शक्ति का अवतरण, मीनू ठाकुर की भव्य प्रस्तुति

Faridabad/Alive News

आज शुक्रवार को दिवाली पर्व के उपलक्ष्य में सूरजकुंड में आयोजित 'आत्मनिर्भर भारत स्वदेशी मेला (द्वितीय दिवाली मेला)÷ के प्रथम दिवस की शाम को बड़ी चौपाल पर प्रसिद्ध कुचिपुड़ी निर्तयांगना मीनू ठाकुर ने कुचिपुड़ी नृत्य की विभिन्न शैलियों को प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। आत्मनिर्भर भारत स्वदेशी मेला (दिवाली मेला) के प्रथम दिन संध्या के मंच पर वीरवार की शाम संस्कृति और अध्यात्म का अद्भुत संगम देखने को मिला। प्रसिद्ध कुचिपुड़ी नृत्यांगना मीनू ठाकुर ने अपनी भव्य प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मीनू ठाकुर ने कुचिपुड़ी नृत्य शैली की एक प्रसिद्ध प्रस्तुति ÷अष्टभुजा दुर्गा वंदना÷ की मनोहारी प्रस्तुति के माध्यम से देवी शक्ति की अलौकिक छवि को मंच पर जीवंत कर दिया। लाल-स्वर्ण परिधान और भावपूर्ण अभिव्यक्ति के साथ उनकी प्रस्तुति ने ऐसा दृश्य रच दिया मानो स्वयं मां दुर्गा मंच पर अवतरित हो गई हों। संगीत, ताल और भावाभिनय के अद्भुत समन्वय से सजी इस प्रस्तुति को देखकर दर्शकों ने जोरदार तालियों से उनका स्वागत किया। मेला संध्या में उपस्थित दर्शकगण इस अनूठे प्रदर्शन को लंबे समय तक याद रखेंगे।

हरियाणा को हरा-भरा, स्वच्छ और समृद्ध बनाने के लिए सरकार कटिबद्ध : नायब सिंह सैनी

Faridabad/Alive News

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज गुरुवार को फरीदाबाद में मेगा पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विकास और पर्यावरण एक ही सिक्के के दो पहलू हैं और प्रदेश सरकार हरियाणा को हरा-भरा, स्वच्छ और समृद्ध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने दशहरा पर्व की शुभकामनाएं दीं और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। सेक्टर-9 स्थित हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की ग्रीन बेल्ट में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ राजस्व एवं शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल, खाद्य एवं आपूर्ति राज्य मंत्री राजेश नागर सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरित जैव-विविधता कॉरिडोर में पौधों के साथ 'बर्ड्स ऑफ ग्रीन कॉरिडोर' भी विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 'पेड़

सिर्फ लकड़ी का स्रोत नहीं, बल्कि जीवन का आधार हैं। यह अभियान हमारी भावी पीढ़ियों के लिए स्वस्थ और स्वच्छ परिवेश का निर्माण करेगा।'उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 जून 2024 को ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान की शुरुआत की थी। इसके पहले चरण में हरियाणा में 1 करोड़ 60 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य था, लेकिन प्रदेश ने इससे अधिक 1 करोड़ 87 लाख पौधे लगाकर उपलब्धि हासिल की। वर्तमान चरण में भी 1 करोड़ 60 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य है, जिनमें से अब तक 1 करोड़ 95 लाख पौधे लगाए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि फरीदाबाद प्रदेश की आर्थिक धुरी है, लेकिन तेजी से हो रहे विकास के बीच अब समय आ गया है कि हम प्रकृति को कृतज्ञता पूर्वक लौटाएं। उन्होंने दक्षिण हरियाणा में लागू 'हरित अरावली कार्य योजना' का भी उल्लेख किया और बताया कि प्रदेश में 56 हर्बल पार्क, 4 नगर वन और 18 ऑक्सी वन स्थापित किए गए हैं। कार्यक्रम में विपुल गोयल ने कहा कि 'नमो वन कार्यक्रम'प्रधानमंत्री मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को समर्पित है। उन्होंने बताया कि इस महाअभियान के तहत 3.50 लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे और आने वाले समय में जिले की ग्रीन बेल्ट में 20 लाख से अधिक पौधे रोपित कर इसे 'ऑक्सीजन चैंबर' के रूप में विकसित किया जाएगा। राज्य मंत्री राजेश नागर ने कहा कि फरीदाबाद में आयोजित यह अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

इस अवसर पर विधायक मूलचंद शर्मा, मेयर प्रवीण बत्रा जोशी, भाजपा जिलाध्यक्ष पंकज रामपाल, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार राजीव जेटली सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, जनप्रतिनिधि, महिलाएं और बच्चे मौजूद रहे।

लोक कल्याण मेला अब 15 अक्टूबर तक, रेहड़ी-पटरी और छोटे दुकानदार उठा सकेंगे लाभ

Faridabad/Alive News

नगर निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने बताया कि भारत सरकार की पीएम स्वनिधि योजना के तहत चल रहा विशेष अभियान अब 15 अक्टूबर 2025 तक बढ़ा दिया गया है। इस अभियान का उद्देश्य शहर के रेहड़ी-पटरी वाले, छोटे दुकानदार और फुटपाथ विक्रेताओं को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना है। अब तक कई लाभार्थियों को इस योजना से जोड़ा जा चुका है और अभियान जारी रहेगा ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रह जाए। निगम आयुक्त ने नागरिकों से अपील की कि वे नगर निगम फरीदाबाद मुख्यालय पहुंचकर पीएम स्वनिधि योजना के तहत मिलने वाले ऋण और अन्य सुविधाओं की जानकारी लें और आवेदन कर इसका लाभ उठाएँ। निगम परियोजना अधिकारी द्वारका प्रसाद ने बताया कि यह योजना छोटे व्यापारियों को आत्मनिर्भर बनाने का एक बड़ा कदम है, जिससे वे अपने कारोबार को बढ़ा सकें और आर्थिक रूप से मजबूत हो सकें। यह जानकारी भारत सरकार के आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के निर्देशों के आधार पर दी गई है।

वोट चोर, गद्दी छोड़ अभियान को लेकर कांग्रेस उतरी सडकों पर

Faridabad/Alive News

महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर आज कांग्रेस ने 'वोट चोर, गद्दी छोड' अभियान की शुरुआत करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का आयोजन ओल्ड फरीदाबाद स्थित अग्रसेन भवन सेक्टर-19 में जिला कांग्रेस अध्यक्ष बलजीत कौशिक की अध्यक्षता में किया गया।

इस मौके पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव व हरियाणा प्रभारी जितेन्द्र बघेल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे, जबकि पूर्व सांसद अवतार सिंह भड़ाना ने विशेष अतिथि के तौर पर शिरकत की। सभी कांग्रेस नेताओं ने गांधी जी व शास्त्री जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

जिला कांग्रेस की ओर से हस्ताक्षर अभियान का भी शुभारंभ किया गया, जो गांव-गांव और गली-गली चलाकर भाजपा की नीतियों और भ्रष्टाचार के खिलाफ जनता को जागरूक करेगा। इस अवसर पर कांग्रेस संगठन के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को शॉल भेंटकर सम्मानित किया

गया। इनमें सरदार हरजीत सिंह सेवक, डॉ. एस.एल. शर्मा, प्रो. डॉ. एम.पी. सिंह, सेवाराम वर्मा, शगुन चंद जैन, राजेन्द्र चपराना, डॉ. एच.पी. माहौर, डॉ. आर.के. गोयल, डिप्टी पाराशर, सुरेन्द्र शर्मा, सरला भमोत्रा और स. गुरदेव सिंह शामिल रहे। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जितेन्द्र बघेल ने कहा कि भाजपा जात-पात व धर्म की राजनीति कर भाईचारे को तोड़ने और वोट चोरी कर सत्ता हथियाने का काम करती है। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और हरियाणा में भाजपा ने यही खेल रचा। जल्द ही हरियाणा की 'चोरी रिपोर्ट' भी जनता के सामने लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि अनुशासनहीनता को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और संगठन में वही लोग जिम्मेदारी पाएंगे जो पार्टी गतिविधियों में सक्रिय रहते हैं। पूर्व सांसद अवतार सिंह भड़ाना ने कहा कि यह समय आपसी मतभेद छोड़कर संगठन को मजबूत करने का है। उन्होंने भूपेन्द्र सिंह हुड्डा से भी संगठन को एकजुट करने के लिए बातचीत करने की बात कही। कार्यक्रम के अंत में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर'वोट चोर, गद्दी छोड़' के नारे लगाए और भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

इस मौके पर जिला सह प्रभारी रोहताश बेदी, पूर्व पार्षद योगेश ढींगड़ा, अनिल शर्मा, वरिष्ठ नेता जगत सिंह नागर, रिंकू चंदीला, विनोद कौशिक, वेदप्रकाश यादव, महिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता फागना, डॉ. बाबूलाल रवि, संजय सोलंकी, योगेश तंवर, अनुज शर्मा एडवोकेट सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विजयदशमी पर राष्ट्रीय राजपूत परिषद ने किया शस्त्र पूजन का आयोजन

Faridabad/Alive News

विजयदशमी के पावन अवसर पर राष्ट्रीय राजपूत परिषद द्वारा इंद्रप्रस्थ कॉलोनी, फरीदाबाद में सामूहिक शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राजपूत समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने दीप प्रज्वलन कर की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एजुकेशन डायरेक्टर संजय सिंह का परिषद की ओर से पगड़ी पहनाकर सम्मान किया गया। परिषद के राष्ट्रीय संयोजक ठाकुर तिलक राज चौहान ने संबोधित करते हुए कहा कि प्राचीन काल से ही राजपूत योद्धाओं सम्राट पृथ्वीराज चौहान, महाराणा प्रताप, सम्राट मिहिर भोज आदि ने अपने पराक्रम और बलिदान से देश और धर्म की रक्षा की है।

उन्होंने कहा कि शस्त्र और क्षत्रिय एक-दूसरे के पूरक हैं। शस्त्र के बिना राजपूत अधूरा है, वहीं वर्तमान समय में कलम का महत्व भी उतना ही आवश्यक है। आने वाली पीढ़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा और संस्कारों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शास्त्र से बुद्धि और शस्त्र से बल का समन्वय होता है। शास्त्र जहां जीवन के लिए व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करते हैं, वहीं शस्त्र समाज और देश की रक्षा का माध्यम बनते हैं।

चौहान ने राजपूत समाज को आपसी मतभेद भुलाकर पारस्परिक प्रेम, भाईचारे और एकजुटता को मजबूत करने का संदेश दिया। परिषद के

राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर गजेन्द्र सिंह चौहान ने विजयदशमी के अवसर पर समाज को संबोधित करते हुए कहा कि अच्छाई पर बुराई की जीत का यह पर्व हमें संगठित होकर समाज के उत्थान के लिए कार्य करने की प्रेरणा देता है। शस्त्र पूजन समारोह में राष्ट्रीय परिषद के संरक्षक के.एस. भाटी, डी.के. चौहान, राष्ट्रीय महासचिव प्रवीण चौहान, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह राणा, संगठन प्रभारी धीर सिंह चौहान, राष्ट्रीय सलाहकार विनोद कुमार तोमर सहित प्रदेश अध्यक्ष, जिला प्रभारी और विभिन्न राज्यों से आए गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों को परिषद की ओर से सम्मानित किया गया। अंत में राष्ट्रीय महासचिव प्रवीण चौहान ने उपस्थित अतिथियों और सदस्यों का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

फरीदाबाद को नोएडा एयरपोर्ट से जोड़ने वाले ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का अभी तक आधार तैयार नहीं, 30 अक्टूबर को प्रधानमंत्री कर सकते हैं उद्घाटन

Faridabad/Alive News

फरीदाबाद को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जोड़ने वाले ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का अभी तक आधार तैयार नहीं हुआ है। लेकिन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जहाज उड़ान भरने के लिए तैयार है। 30 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसका उद्घाटन कर सकते हैं। उद्घाटन के 40 दिन बाद यहां से उड़ानें शुरू हो जाएंगी।

नहीं मिला पूरा बजट

यमुना नदी के ऊपर बनाए जाने वाले पुल के पिलर ही बन चुके हैं, लेकिन पुल बनाने का काम अधूरा पड़ा है। सोतई गांव में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को अभी तक परियोजना के लिए किसानों ने भूमि भी नहीं दी है। कई गांवों में अभी तक मिट्टी भी डालनी भी शुरू नहीं हो पाई है। परियोजना के निर्माण में केंद्र सरकार से अभी तब पूरा बजट भी नहीं मिला है।

एक्सप्रेसवे का निर्माण सुस्त रफ्तार में

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से औद्योगिक नगरी को जोड़ने के लिए 1660.50 करोड़ रुपये की लागत से इंफ्राटेक कंपनी 32 किलोमीटर लंबा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे बना रही है। 23 किलोमीटर हरियाणा की सीमा के अंदर और नौ किलोमीटर

उत्तर प्रदेश की सीमा में बनाया जा रहा है। इसका निर्माण कार्य 2023 में शुरू किया था और जून-2025 तक बनाकर तैयार करना था। एक्सप्रेसवे के निर्माण में अभी तक सबसे बड़ी बाधा केंद्र सरकार से बजट पूरा न मिला है। निर्माण करने वाली कंपनी को 692 करोड़ रुपये का बजट मिला है। यही कारण है कि अभी एक्सप्रेसवे के निर्माण धीमी गति से चल रहा है।

सोतई गांव में अभी किसानों ने नहीं दी भूमि

सोतई गांव में किसानों की जाट पट्टी शामलात भूमि है। इस भूमि पर किसानों का कब्जा है और वह खेती कर रहे हैं। गांव की पंचायत को समाप्त करके सरकार ने नगर निगम में शामिल कर दिया है। इस भूमि के मुआवजे को लेकर किसान अपना हक जता रहे हैं और नगर निगम अपनी भूमि बता कर हक जता रहा है। यह मामला फिलहाल कोर्ट में विचाराधीन है। कोर्ट इस भूमि का मालिक जिसे घोषित कर देगा, एनएचएआइ की तरफ से उसे मुआवजा दे दिया जाएगा। तब भूमि पर कब्जा मिलेगा और यहां पर परियोजना का एलिवेटेड निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

इन गांवों में अभी तक नहीं डाली गई मिट्टी

ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे बनाने के लिए फफूंदा, पन्हैड़ा खुर्द, गढ़खेडा, नरहावली गांव के खेतों में मिट्टी डालने का काम अधूरा पड़ा हुआ है।

यहां पर मिट्टी डालने का काम कई जगह पर तो अभी तक शुरू भी नहीं हुआ है। मिट्टी डालने के काम को पूरा करने में चार से पांच महीने का समय लग जाएगाा। इसी तरह से मोहना में ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे पर उतरने-चढ़ने के लिए इंटरचेंज बनाने का काम चल रहा है। यह कार्य भी अगले एक वर्ष में पूरा हो पाएगा। केजीपी, मोहना रोड और गांवों के रास्तों के ऊपर बनाए जा रहे पुलों को मार्ग से जोड़ने के लिए मिट्टी डालने का काम भी अधूरा पड़ा हुआ है।

एक बेहतर कनेक्टिविटी मिल सकें

'एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य को ध्यान में रखते हुए सरकार को परियोजना का बजट जल्द से जल्द मंजूर करना चाहिए। ताकि यह समय पर बन कर तैयार हो जाए और औद्योगिक नगरी फरीदाबाद, पलवल, नूंह के लोगों को एक बेहतर कनेक्टिविटी मिल सके।'

क्या कहना था एनएचएआई अधिकारी का

जल्द बजट मंजूर होकर मिल जाएगा

'परियोजना के लिए सोतई गांव की भूमि का मामला कोर्ट में विचाराधीन है। कोर्ट फैसले के अनुसार भूमि का मुआवजा देकर कब्जा लिया जाएगा। परियोजना के लिए बजट कई मंत्रालयों से मंजूर होकर आता है। जल्दी ही बजट मंजूर होकर आ जाएगा। वर्षा के कारण कई गांवों के रास्तों पर बनाए जा रहे पुलों के लिए मिट्टी डालने का काम रुका हुआ था। अब यह काम शुरू हो जाएगा। परियोजना को जल्दी ही बनाकर तैयार कर दिया जाएगा, ताकि लोग इसका लाभ उठा सकें।'

-धीरज सिंह, परियोजना निदेशक, एनएचएआई

नागरिकों में खादी के प्रति बढ़ा क्रेज, जमकर खरीदे जा रहे खादी के कपड़ें

Faridabad/Alive News

केंद्र व राज्य सरकार के प्रयासों से नागरिकों में खादी के प्रति क्रेज बढ़ा है और नागरिक पुनः खादी की ओर लौट रहे हैं। खादी के प्रति लोगों में बढ़ती हुई दिलचस्पी और लोकप्रियता इस बात का परिचायक है कि हम अपनी प्रचानी सभ्यता और संस्कृति की ओर लौट रहे हैं। खादी का क्रेज दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है और लोग इसे फैशन स्टेटमेंट, टिकाऊ पर्यावरण-अनुकूल विकल्प और 'आत्मनिर्भर भारत' के प्रतीक के रूप में अपना रहे हैं।

केंद्र और राज्य सरकार सहित हरियाणा खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड 'खादी' को उसकी पुरानी पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। हरियाणा खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की ओर से सूरजकुंड में 'आत्मनिर्भर भारत-स्वदेशी मेला' थीम पर आयोजित किए जा रहे द्वितीय दीपावली मेला में स्टॉल नंबर 212 और स्टॉल नंबर 1050 पर खादी उत्पादों की बिक्री की जा रही है और खादी को प्रमोट किया जा रहा है। बोर्ड की ओर से सूरजकुंड दीपावली मेला में गांधी जयंती के उपलक्ष्य में खादी उत्पादों पर भारी छूट दी जा रही है।

बोर्ड द्वारा लोन पर दी जा रही है 15 से 35 प्रतिशत सब्सिडी

हरियाणा खादी बोर्ड की शॉप नम्बर न0 212 व 1050 पर हस्त शिल्प से तैयार करवाए गए वस्त्र धूपबत्ती, रडीमेड वस्त्र, हर्बल महेन्दी तथा ब्यूटी उत्पादक व अन्य वस्तुएं बहुत ही बेहतर गुणवता की हैं। 35 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जाती है, जिससे लाखों लोगों को रोजगार भी मिलता है।

आज के दौर में खादी सिर्फ एक कपड़ा नहीं, बल्कि एक स्टेटमेंट बन चुका है। खादी वोकल फॉर लोकल सहित 'आत्मनिर्भर' भारत का समर्थन करती है। खादी ग्रामोद्योग

सूरजकुढ़ मेले में आए दर्शक खादी वस्तुओं की खूब खरीददारी कर रहे हैं। हरियाणा खादी बोर्ड के अधीक्षक डा. हरि प्रकाश ने बताया है कि सूरजकुंड मेले में खादी लोगों के आकर्षण का केन्द्र बिन्दू बनी हुई है। हरियाणा खादी बोर्ड के जिला अधिकारी अनिल दलाल ने कहा कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत 1 लाख से 50 लाख रुपये तक का लोन दिया जाता है और 15 से जैसी संस्थाओं के ज़रिए ग्रामीण कारीगरों को रोज़गार मिलता है। खादी को प्रमोट करने के लिए 'खादी फेशन शो' भी आयोजित किए जाते हैं। भारत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं भी खादी वस्त्र पहनते हैं और 'खादी' का खूब प्रचार कर रहे हैं। आजकल खादी के कुर्ते, जैकेट, ड्रेस, साड़ी, यहां तक कि जूते और बैग भी ट्रेंड में हैं।

बीपीटीपी बिल्डर की मनमानी के खिलाफ न्यू इलाइट फ्लोर के रेजिडेंट ने सुविधाओं को लेकर जताया रोष

Faridabad/Alive News

ग्रेटर फरीदाबाद की सोसायटी में रहने वाले लोग अब बीपीटीपी बिल्डर की मनमानी के खिलाफ खुलकर सामने आ गए हैं। सेक्टर 75 से 89 तक फैली सोसायटी के रेजिडेंट लंबे समय से मूलभूत सुविधाओं के अभाव और जबरन वसूली से परेशान होकर सरकार के जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारियों को राहत की गुहार लगा चुके है, लेकिन निवासियों को आश्वासन के सिवा कोई राहत नहीं मिली। बीपीटीपी बिल्डर की सोसायटी न्यू इलाइट फ्लोर (पीसी ब्लॉक, सेक्टर 77) के रेजिडेंट एवं सीनियर सिटीजन आर.डी. कसाना ने बिल्डर की शोषणकारी नीतियों के खिलाफ एक प्रेस नोट जारी कर अपनी आवाज उठाई है।

उन्होंने बीपीटीपी बिल्डर पर आरोप लगाते हुए कहा कि बीपीटीपी बिल्डर रेजिडेंस की बिना सहमति के 60 प्रतिशत तक मेंटेनेंस चार्ज बढ़ा चुका है। इतना मेंटेनेंस चार्ज लेने के बाद भी सोसायटी में न पार्क है और न ही क्लब हाउस है। आर.डी. कसाना ने बताया कि क्लब बनाने के नाम पर बिल्डर उनसे 12 साल पहले पैसे ले चुका है और क्लब बनाया तो पर ब्लॉक से 4 से 5 किलोमीटर दूर है। इसके अलावा बिल्डर बिजली बिलों में भी मनमानी वसूली कर रहा है। हालांकि डीएचबीवीएन के आदेश

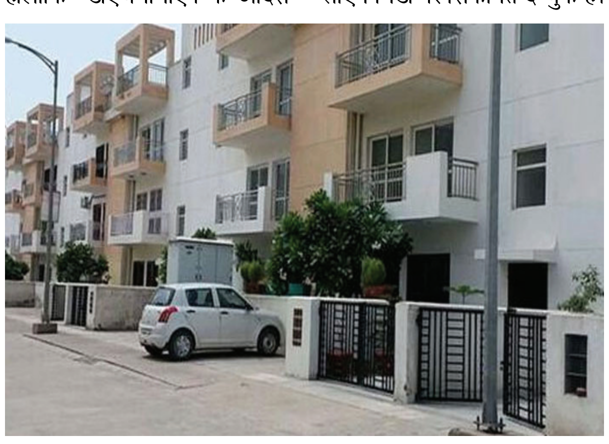

के बावजूद भी बिजली की 120 यूनिट से कम खपत पर भी एमएमसी चार्ज लगाया जा रहा है। इसके अलावा कॉमन एरिया बिजली (सीएई) चार्ज के नाम पर भी अतिरिक्त रकम वसूली जा रही है।

इसको लेकर वह लोग कई बार क्षेत्रीय विधायक एवं मंत्री राजेश नागर और कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल को अपनी समस्या से लिखित में अवगत करा चुके हैं। इतना ही नहीं उन्होंने सभी रेजीडेंस के साथ मिलकर चंडीगढ़ तक उच्च अधिकारियों से भी गुहार लगाई। उन्होंने ने कहा कि वह लोग तीन बार सीएम विंडो पर शिकायत दे चुके हैं।

न्यू इलाइट फ्लोर (पीसी ब्लॉक, सेक्टर 77) रेजिडेंट एवं सीनियर सिटीजन आर.डी. कसाना ने नगर निगम कमिश्नर को सोसायटी को नगर निगम में शामिल करने की लिखित में मांग कर चुके है। जिससे बीपीटीपी सेक्टर में आने वाली सोसायटियों को हर रोज साफ सफाई, सीवर का समस्या से निजात, टूटी सड़क से निजात और पीने के पानी जैसी सुविधाएं मिल सकें। वहीं डीएचबीवीएन अधिकारियों को भी बिजली बिलों में गड़बड़ी को लेकर शिकायत दे चुके है। रेजीडेंस का कहना है कि जब वह नगर निगम को सन 2020 से हाउस टैक्स दे रहे है तो नगर निगम उनके सेक्टर की सोसायटियों को अपने अधीन लें। ताकि उन्हें मूलभूत सुविधा मिल सके।

क्या कहना है बिल्डर का

कंपनी प्रबंधन ने मेंटेनेंस चार्ज की बढ़ोतरी नियमानुसार ही की है और कंपनी की ओर से रेजीडेंट को पूरा विवरण ष्ट सर्टिफिकेट के साथ दिया गया है। कंपनी ने बिना वजह कोई चार्ज नहीं लिया है। बिजली बिलों में भी सरकार द्वारा तय राशि ही ला जा रही है। बिजली बिलों में कंपनी की ओर से कोई अतिरिक्त वसूली नहीं की जा रही। हमारी कंपनी ने सरकार या रेजिडेंट से पहले ही कहा था कि सोसायटी को यहां के रेजिडेंट खुद टेकओवर कर ले, इसमें उनकी कंपनी को कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन टेकओवर को लेकर न सरकार तैयार है और न ही यहां के रेजिडेंट तैयार हैं।

- श्याम सुंदर, एमडी मेंटेनेंस विभाग, बीपीएमसी (बीपीटीपी बिल्डर)।

सराय गवर्नमेंट मॉडल स्कूल में विद्यार्थियों के नैतिक एवं मानसिक विकास के लिए चलाया शांति शिक्षा कार्यक्रम

Faridabad/Alive News

सराय ख्वाजा गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शिक्षा विभाग के दिशा निर्देशानुसार प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में शांति शिक्षा कार्यक्रम

के अंतर्गत सामग्री किट प्राप्त करने एवं कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु नामित शिक्षक विवरण प्रस्तुत किए गए। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण, सहानुभूति, सहयोग, संवाद कौशल और आंतरिक शांति के विकास के उद्देश्य से करवाया गया।

विद्यालय के जूनियर रेड क्रॉस एवं सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड अधिकारी प्रधानाचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा के मार्गदर्शन में पीस एजुकेशन कार्यक्रम से संबंधित सभी गतिविधियों को योजनाबद्ध ढंग से प्रारंभ किया गया है विद्यालय में इस कार्यक्रम की रूपरेखा के अंतर्गत विद्यार्थियों के साथ संवाद, समूह चर्चा, नैतिक कहानियों के माध्यम से आत्मनिरीक्षण और सहृदयता जैसे मूल्यों पर केंद्रित सत्र लिए जा रहे हैं।

प्राचार्य मनचंदा, प्राध्यापिका दीपांजलि एवं अन्य सभी अध्यापकों ने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि शांति शिक्षा बच्चों के आंतरिक और सामाजिक विकास का आधार है, जो उन्हें तनाव प्रबंधन, आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण की दिशा में ले जाती है। उन्होंने सभी शिक्षकों से आह्वान किया कि वे इस पहल को प्रतिदिन की शिक्षण प्रक्रिया में समाहित करें ताकि दीर्घकालीन परिवर्तन सुनिश्चित किया जा सके।

कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों ने विद्यालय के सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए शांति शिक्षा मिशन को विद्यालयीन वातावरण में प्रभावी रूप से लागू करने हेतु उन्हें डिजिटल बोर्ड के माध्यम से लाइव विडियोज द्वारा नवीन अनुभवों से लाभान्वित किया। प्रधानाचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने सभी को अध्यापकों, स्टाफ सदस्यों को धन्यवाद देते हुए यह विश्वास जताया कि यह पहल विद्यार्थियों को संवेदनशील, उत्तरदायी और संतुलित नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करेगी तथा विद्यार्थी अपने जीवन में तनाव मुक्त मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ कर पाएंगे।

मेला की मुख्य चौपाल पर विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से मचाई धूम

Faridabad/Alive News

सूरजकुंड दीवाली मेला में दूसरे दिन शुक्रवार को मुख्य चौपाल पर स्कूलों के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियों से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों के सामूहिक नृत्य व गायन और एकल नृत्य ने मंच पर खूब रंग जमाया। दीवाली के उपलक्ष्य में आत्मनिर्भर भारत-स्वदेशी मेला की थीम के साथ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन और पर्यटन मंत्री डा. अरविंद कुमार शर्मा

के निर्देशन में 7 अक्टूबर तक द्वितीय सूरजकुंड दीवाली मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस मेला में मुख्य चौपाल से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां लोक कलाकारों और विद्यार्थियों द्वारा रोजाना दी जाएंगी। इसी कड़ी में शुक्रवार को राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मेवला महाराजपुर और पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय एनआईटी फरीदाबाद के विद्यार्थियों ने हरियाणवी संस्कृति और परांपरागत वेशभूषा के साथ के साथ एक से बढक़र एक शानदार प्रस्तुतियों से मनमोह लिया। इन विद्यार्थियों द्वारा इन बेटियों ने खूबर पढ़ईयो रेज और तीन रंगों का लहराये ये तिरंगाज आदि लोकगीतों पर सामूहिक नृत्य और गायन के साथ एकल नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी। इस अवसर पर पर्यटन विभाग के अधिकारी, स्टाफ सदस्य व दर्शक मौजूद रहे।

सूरजकुंड में दीपावली मेला में लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं लोक कलाकार

Faridabad/Alive News

हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जीवंत लोक परंपराओं को देश-दुनिया में पहचान दिलाने का श्रेय उन लोक कलाकारों को जाता है, जिन्होंने अपने समर्पण और प्रतिभा के बल पर हरियाणवी लोक कला को जन-जन तक पहुंचाया है। आज जब आधुनिकता की दौड़ में पारंपरिक कलाएं लुप्त होने की कगार पर हैं, ऐसे समय में ये कलाकार हरियाणा की आत्मा को जीवित रखने का कार्य कर रहे हैं। हरियाणवी की संस्कृति समृद्ध संस्कृति है, जिसका पूरे भारत देश के साथ-साथ विदेशों में भी डंका बजता है। ढोल-नगाड़ा, बीन, सांग, रागनी आदि हरियाणवी संस्कृति के विशेष अंग है। इस संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक है कि हरियाणा का युवा अपनी संस्कृति से भली-भांति परिचित हो। सूरजकुंड में आत्मनिर्भर भारत-स्वदेशी मेला थीम पर आयोजित किए जा रहे द्वितीय दीपावली मेला में हरियााणा प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए हरियाणा कला एवं संस्कृति विभाग के प्राचीन लोक कलाओं व विधाओं के लोक कलाकार पारंपरिक वाद्य यंत्रों के माध्यम से न केवल राज्य के गौरवशाली अतीत को सहेजने का कार्य कर रहे हैं, बल्कि युवा पीढ़ी को भी अपनी जड़ों से जोड़ने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।सूरजकुंड दीपावल मेला में जिला पलवल के गांव बंचारी से आई सुरेंद्र सिंह व नगाड़ा पार्टी, जिला सोनीपत के गांव वजीरपुर टिटाना गांव से आई जय सिंह नाथ की म्यूजिक सपेरा डांस पार्टी व जिला जींद से

आई मास्टर चंद्रभान बीन पार्टी मेला घूमने आने वाले लोगों का मनोरंजन करने के साथ-साथ लोक कला व संस्कृति की जड़ों को मजबूत करने व जीवंत रखने का काम कर रही हैं।

देश-विदेश में प्रसिद्ध है हरियाणा के बंचारी गांव की ढोल-नगाड़ा विधा:

ढोल नगाड़ा बंचारी गांव की प्रसिद्ध विधा है जो देश-विदेश में प्रसिद्ध है। हरियाणा सरकार की ओर से युवाओं को हरियाणवी संस्कृति से परिचित करवाने के लिए सरकार की ओर से सराहनीय पहल की जा रही है। कला एवं संस्कृति विभाग की ओर से हरियाणा की विभिन्न प्रकार को प्रोत्साहि किया जा रहा है, जिसके लिए विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन पूरे प्रदेश में किया जाता है, जिनमें हरियाणवी संस्कृति की झलक स्पष्ट देखने को मिलती है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों से युवा पीढ़ी में अपने देश व प्रदेश की लोक संस्कृति के प्रति जागृति आ रही है। इन आयोजनों से न केवल शहरों में रहने वाला युवा वर्ग हरियाणवी संस्कृति से परिचित होगा, बल्कि संस्कृति से जुडक़र राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हरियाणवी संस्कृति को बढ़ावा देने में सहायक भी सिद्ध होगा। हरियाणवी कला संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग के मार्गदर्शन में हरियाणा कला एवं संस्कृति विभाग कृतसंकल्प है, जिसके लिए विभाग की ओर से समय-समय पर विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है।

सूरजकुंड दीवाली मेला में उपलब्ध घर के तैयार मसाले, टेस्टी भी हेल्दी भी

Faridabad/Alive News

सूरजकुंड दीवाली मेला आत्मनिर्भर भारत स्वदेशी मेला की थीम के साथ लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। इस मेले में रसोई में प्रयोग होने वाले विभिन्न तरह के चटपटे और स्वाद से भरपूर मसाले लेकर झज्जर के ग्राम संगठन की महिलाएं पहुंची हैं। एसडी शुद्ध मसाला के नाम से मेले में लगाए गए स्टॉल पर घर के बनाए बिना मिलावट के विभिन्न प्रकार के मसाले उपलब्ध हैं। ग्रामीण महिला ग्रह उद्योग एवं उजाला महिला ग्राम संगठन की संचालिका कमला ने बताया कि 2014 में 10 महिलाओं के साथ मिलकर स्वयं सहायता समूह बनाया था। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ग्रामीण महिला को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुरू किए हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर एक लाख रुपए का लोन लेकर मसालों को तैयार करने का कार्य शुरू किया था। उन्होंने

बताया कि उनके द्वारा घर से तैयार किए जाने वाले विभिन्न तरह के मसाले लोगों को खूब पसंद आए। इसके बाद उन्होंने गांव के दो और समूह के साथ मिलकर तीन समूहों का ग्राम संगठन बना लिया।

संगठन के द्वारा एसडी शुद्ध मसाला के नाम से व्यापार शुरू किया गया है। उनके द्वारा तैयार किए गर्म मसाला, हल्दी, कम तीखी और चटपटी मिर्च, सौंफ के पैकेट, सेंधा नमक समेत अन्य प्रकार के मसाले लोगों को बहुत पसंद आते हैं। ये सभी मसाले बिना मिलावट के पूरी तरह से शुद्ध होते हैं जो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पूरी तरह से स्वास्थ्यवर्धक भी होते हैं। वह सूरजकुंड में दूसरी बार आई है। उन्हें इतने बड़े स्तर पर मौका देने के लिए उनका संगठन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा का आभार व्यक्त करता हैं। उन्होंने सरकार से मांग की है कि आगे भी उन्हें प्रदेशभर में होने वाले बड़े आयोजनों में अवसर दिया जाए।

बाजरे के लड्डू है पूरी तरह से शुगर फ्री

संचालिका कमला ने बताया कि उनके संगठन द्वारा तैयार किए बाजरे के लड्डू जहां स्वाद से भरपूर है। वहीं शुगर फ्री होने से शुगर के मरीजों के लिए स्वास्थ्य लाभकारी भी हैं। इन लड्डू की मार्केट में बहुत मांग भी रहती है। मेले में आने वाले पर्यटकों को भी ये बाजरे के लड्डू बहुत पसंद आएंगे।

लोगों ने उठाए मेले की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल, एनआईटी दशहरा ग्राउंड में भरत मिलाप से पहले भीड़ को संभालने के लिए नहीं दिखाई दिए पुलिसकर्मी

Faridabad/Alive News

श्री सिद्धपीठ हनुमान मंदिर मार्किट नंबर एक और पंजाबी सभा द्वारा आयोजित दशहरा पर्व के तहत दूसरे दिन भरत मिलाप कार्यक्रम में भारी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी है। इस दौरान लोगों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सभा और प्रशासन द्वारा ढील दिखाई दी।

आज शुक्रवार को करीब 12 बजे अलाइव न्यूज़ के संवाददाता ने एनआईटी एक नंबर के दशहरा ग्राउंड में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जब पड़ताल की तो उन्होंने देखा की श्री सिद्धपीठ हनुमान मंदिर मार्किट नंबर एक और पंजाबी सभा द्वारा दशहरा ग्राउंड में भरत मिलाप कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा था। इससे पूर्व अलग - अलग झांकियां लोगों के समक्ष प्रस्तुत की गई। इस भरत मिलाप के कार्यक्रम और झांकियों को देखने के लिए दूर- दूर से, यहां तक की अलग - अलग शहर से लोग आए हुए थे। इतने बड़े आयोजन के बावजूद सुरक्षा व्यवस्था में खामियां साफ नजर आई। लगातार आ रही लोगों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस प्रशासन और स्वयंसेवक

पर्याप्त संख्या में मौजूद नहीं दिखाई। इससे एक दिन पहले रावण दहन के दौरान दशहरा ग्राउंड में भगदड़ जैसे हालात भी देखने को मिले थे। लोग ग्राउंड की बाउंड्री और दरवाजों के ऊपर से कूदकर आ और जा रहे थे। आज शुक्रवार को ग्राउंड में स्वयंसेवकों और पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था ना के बराबर होने की वजह से ग्राउंड में अफरातफरी जैसी स्थिति उत्पन्न होने की संभावना बनी हुई थी, साथ ही कई जगह ग्राउंड में असामाजिक तत्वों का झुंड महिलाओं और छोटी बच्चियों के साथ धक्का - मुक्की कर आपत्ति जनक टिप्पणी करते हुए भी नजर आए।

मेले की सुरक्षा व्यवस्था पर घूमने आए लोगों ने उठाए सवाल

आज में इस दशहरा ग्राउंड मैं अपने बच्चों के साथ भरत मिलाप के कार्यक्रम को देखने के लिए हुं। मेले के आयोजक और पुलिस ने लोगो की सुरक्षा के लिए कोई इंतजाम नहीं किए। मेरे सामने कई लड़के महिलाओं को धक्का मार कर चले गए यहां तक कि झुले पर जाती हुई एक छोटी बच्ची को भी गलत तरह से छु रहे थे। इतना सब देखकर में तुरंत ग्राउंड से बाहर आ गई। मेला आयोजन और प्रशासन को भीड़भाड़ वाले कार्यक्रम में अपनी सतर्कता दिखानी चाहिए ताकि किसी के साथ कोई अनहोनी न हो।

- सीमा स्थानीय निवासी ओल्ड फरीदाबाद

आज इस दशहरा ग्राउंड में कल गुरुवार की तरह ही काफी भीड़ है। कल तो मेले आयोजक ने लोगो की सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन की ड्यूटी लगाई थी लेकिन आज ऐसा कुछ मुझे देखने को नहीं मिला। इस ग्राउंड में आने के लिए दो गेट है और दोनो ही गेट पर मुझे एक भी पुलिसकर्मी लोगों की सुरक्षा के लिए **तैनात नहीं दिखा।**

- रुपा स्थानीय निवासी रोशन नगर

नशा एवं सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जागरूकता रैली आयोजित

Faridabad/Alive News

सेवा पखवाड़े के अंतर्गत श्रम विभाग द्वारा आज शुक्रवार को नशा एवं सामाजिक बुराइयों के खिलाफ एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह रैली बी.के. चौक से श्रम आयुक्त राजवीर सिंह एवं अन्य अधिकारियों ने भी लोगों से नशा मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करने की अपील की। इस रैली में डी.सी. सैनी (उप निदेशक, औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य, फरीदाबाद), अनुज साहरण, सुशील

शुरू होकर मुल्ला होटल व एन.आई.टी. नं. 3, तक लगभग 5 किलोमीटर के दायरे में निकाली गई। रैली के दौरान उप श्रम आयुक्त भगत प्रताप सिंह ने लोगों को नशा एवं सामाजिक बुराइयों से दूर रहने का संदेश दिया और स्वस्थ समाज निर्माण में सभी की सहभागिता पर बल दिया। इस अवसर पर सहायक मान, कामना, दीप्ति मेहरा (सहायक श्रम आयुक्त, फरीदाबाद) सहित विभाग के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी सक्रिय रूप से शामिल हुए। इसके अतिरिक्त, रैली में जन साहस फाउंडेशन एन.जी.ओ. के सदस्य भी सम्मिलित रहे और लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया।

बारिश से बर्बाद हुए रावण के पुतले पर कारीगरों का दुख झलका, बोले- 'लागत भर निकल आए तो भगवान का शुक्र है'

Faridabad/Alive News

दशहरे पर जलाए जाने वाले रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के पुतले बनाने वाले कारीगरों की मेहनत इस बार बारिश ने धो डाली। कन्नौज से आए सुनील पिछले पांच साल से जितनी लागत लगी है उतना ही निकल आए तो ऊपर वाले का शुक्रगुजार रहूंगा।' इसी तरह कन्नौज से आई कारीगर शिला, रूबी और पिंटू ने अपनी व्यथा सुनाई। उन्होंने बताया कि मंगलवार को हुई बारिश ने बड़ा नुकसान किया है। बारिश से पुतले है कि ग्राहक भी बहुत मोलभाव कर रहे हैं, जिननी रकम इस बार लगाई उतनी रकम वापिस नहीं मिली।

एक कारीगर ने कहा, 'हम लोग 5 साल से आ रहे हैं, हमेशा काफी फायदा हो जाता था, लेकिन इस बार हालात बहुत खराब हो गये हैं। बस

अपने परिवार के साथ फरीदाबाद के नीलम चौक पर आकर पुतले बनाते हैं और बेचते हैं। उनका कहना था कि इस बार बारिश ने उनकी सारी मेहनत पर पानी फेर दिया। सुनील ने बताया, 'इस बार भले ही मुनाफा ना हो, बस भीगकर खराब हो गए। कई पुतले चोरी भी हो गए, जिससे उनका नुकसान और बढ़ गया। कारीगरों का कहना है कि वे हर साल दो जूं की रोटी के लिए कन्नौज से आते हैं, लेकिन इस बार हालात अलग बन गये। उनका कहना भगवान से यही दुआ है कि जितना लगाया है उतना ही मिल जाए।' इस बार दशहरा भले ही धूमधाम से मनाया गया, लेकिन पुतला बनाने वाले कारीगरों के लिए घाटे का ही दशहरा रहा है।

भारतीय पत्रकार संघ ने पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकारों को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

Faridabad/Alive News

सेक्टर-31 के बत्रा हॉर्ट एण्ड मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल और भारतीय पत्रकार संघ के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को पत्रकारों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते देना चाहिए। पत्रकार समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और उनकी दिनचर्या काफी संघर्ष भरी रहती है। ऐसे में मानसिक रूप से सटीक खबरों को दिखाने के लिए पत्रकार का स्वस्थ होना आवश्यक है। जिसके लिए खानपान के नियंत्रण महिला विंग की राष्ट्रीय महासचिव राधिका बहल ने सभी पत्रकारों का स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में सभी पत्रकारों को प्रशस्ति पत्र देकर डॉ. पंकज बत्रा ने सम्मानित किया। साथ ही पत्रकारों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

हुए अस्पताल के प्रबंधक डॉ. पंकज बत्रा ने कहा कि व्यक्ति खाने में अंनाज की मात्रा को कम करके काफी बिमारियों से बच सकता है, व्यक्ति को खाने में हेल्दी और हाइजीनिक भोजन का प्रयोग करना चाहिए। हमें सुबह अपने लिए आधे घंटे का समय वॉक के लिए निकालना चाहिए।

डॉ. पंकज बत्रा ने पत्रकारों को बताया कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में खानपान पर विशेष ध्यान के साथ-साथ वर्कआउट करना अत्यंत जरूरी है। उन्होंने बताया कि नियमित सुबह की सैर से हम अपने जीवन में बिमारियों को दूर रख सकते हैं। डॉ. पंकज बत्रा ने कहा कि आज का यह कार्यक्रम केवल पत्रकारों के हितार्थ रखा गया ताकि सभी पत्रकार स्वास्थ्य संबंधित जानकारियों से रूबरू हो सके।

भारतीय पत्रकार संघ के बैनर तले हुए इस कार्यक्रम में हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष अनुराग शर्मा एवं

इस अवसर पर फरीदाबाद के जाने माने वरिष्ठ पत्रकार तिलक राज शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार दीपक शर्मा, वरिष्ठ फोटो पत्रकार सुभाष शर्मा, वरिष्ठ फोटो पत्रकार अनिल मेहता, फोटो पत्रकार विजय, वरिष्ठ पत्रकार अजय वर्मा, वरिष्ठ पत्रकार सुनील यादव, वरिष्ठ पत्रकार मनोज भारती, पत्रकार जे पी भाटी, पत्रकार दिनेश भारद्वाज, पत्रकार पुष्पेंद्र ओझा, पत्रकार चेतन शर्मा, आदर्श ठाकुर को सम्मानित किया गया।

सीही स्कूल में चला एचपीवी वैक्सीन ड्राइव, कैंसर के प्रति भी किया जागरूकता

Faridabad/Alive News

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सीही सेक्टर-8 में सर्वोदय अस्पताल सेक्टर-8 के तत्वावधान में और रेसिस्टो फ्लेक्स के सहयोग से सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए जागरूकता और वैक्सीनेशन शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 62 छात्राओं को एचपीवी वैक्सीन की दूसरी डोज लगाई गई। कार्यक्रम में रेसिस्टो फ्लेक्स से अमिताभ अखोरी और उनकी टीम तथा सर्वोदय अस्पताल से राकेश त्यागी और उनकी टीम ने हिस्सा लिया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. जयप्रकाश वैष्णव और जनहित सेवा संस्था फरीदाबाद के प्रधान, समाजसेवी व शिक्षाविद संतसिंह हुड्डा ने अतिथियों का पौधा भेंट कर स्वागत किया।

मंच संचालन समाजसेवी संतसिंह हुड्डा ने किया। इस दौरान अमिताभ अखोरी ने छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन की महत्ता बताई।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. जयप्रकाश वैष्णव ने सर्वोदय अस्पताल और रेसिस्टो फ्लेक्स की टीम का आभार जताया और बताया कि एचपीवी वैक्सीन की पहली डोज मार्च में लगाई गई थी। उन्होंने कहा कि यह छात्राओं के स्वास्थ्य की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

कार्यक्रम में रेसिस्टो फ्लेक्स से प्रीति चक्रवर्ती, आरती मंडोला, वेदना, अभिषेक शुक्ला, सर्वोदय अस्पताल से राकेश त्यागी, समाजसेवी संतसिंह हुड्डा, कमलेश शर्मा, रोहित कुमार, संगीता ठुकराल, देवलता और निशा उपस्थित रहे।

डी.ए.वी. महाविद्यालय में युवाओं ने दिया 'नशामुक्ति' का संदेश

Faridabad/Alive News

डी.ए.वी. शताब्दी महाविद्यालय में लाइब्रेरी विभाग, एन.सी.सी., एन.एस.एस. और एंटी ड्रग्स इकाई के संयुक्त तत्वावधान में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का थीम 'ड्रग्स अवेयरनेस' रखा गया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में नशे के प्रति जागरूकता फैलाना रहा।

प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों से लगभग 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। निर्णायकों के मूल्यांकन के आधार पर राखी ने पहला स्थान प्राप्त किया, आयुष को दूसरा पुरस्कार मिला, जबकि भूमिका गुप्ता तीसरे स्थान पर रहीं। सांत्वना पुरस्कार शिखा को प्रदान किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के कार्यकारी प्राचार्य डॉ. नरेंद्र कुमार ने सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि नई पीढ़ी को नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर

समाज में सकारात्मक योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम का सफल संचालन लाइब्रेरी कन्वीनर डॉ. जितेंद्र ढुल, को-कन्वीनर डॉ. अंजू गुप्ता, एंटी ड्रग्स कन्वीनर डॉ. योगेश, को-कन्वीनर डॉ. सारिका सैनी, लाइब्रेरियन सुश्री रितु, नेत्रपाल, डॉ. मीनाक्षी कौशिक एवं सुश्री कविता शर्मा की देखरेख में किया गया।

ठंडा आटा और कोल्हू का तेल बना लोगों की पहली पसंद

Faridabad/Alive News

सूरजकुंड में आयोजित द्वितीय सूरजकुंड दीवाली मेला में आत्मनिर्भर भारत स्वदेशी मेला की थीम पर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी के साथ 'लौट चले गांव के ओर, यानी भारतीय परंपराओं और वैदिक जीवनशैली को फिर से अपनाने के उद्देश्य से इस बार एक्टिव वैदिक उद्योग के स्टॉल विशेष

आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। सूरजकुंड दिवाली मेला में स्टॉल नंबर 252 पर आगंतुकों को वैदिक पद्धति से तैयार किए गए ठंडा आटा, मल्टी ग्रेन आटा, मिलेट का आटा, और कोल्हू से निकला तेल एवं शुद्ध मसाले उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यह सभी उत्पाद न सिर्फ स्वाद में लाजवाब हैं, बल्कि स्वास्थ्यवर्धक भी हैं। एक्टिव वैदिक उद्योग का मानना है कि प्राकृतिक और वैदिक पद्धति से बने आहार न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं बल्कि गांव और परंपरागत पद्धतियों से जुड़ाव भी कराते हैं। मेले में बड़ी संख्या में लोग इन उत्पादों को पसंद कर रहे हैं और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए इनकी खरीदारी कर रहे हैं।

दो दिवसीय सर्वजातीय परिचय सम्मेलन के पहले दिन लगभग 35 जोड़ों ने विवाह के लिए सहमति जताई

Faridabad/Alive News

महाराजा अग्रसेन विवाह समिति का 25वां दो दिवसीय सर्वजातीय परिचय सम्मेलन का पहला दिन बड़ी धूमधाम से मनाया गया। प्रधान ब्रह्म प्रकाश गोयल ने बताया कि अभी तक एनसीआर से लगभग 1500 युवक-युवतियों ने रजिस्ट्रेशन कराया। जिसमें डॉक्टर, इंजीनियर, टीचर, व्यापारी व नौकरी करने वाले युवक-युवतियों का परिचय कराया गया। परिचय सम्मेलन के पहले दिन लगभग 35 जोड़ों ने आपस में विवाह करने की सहमति जताई। वहीं सम्मेलन में डॉक्टर, इंजीनियर अन्य कई प्रकार की प्रोफेशनल डिग्री वाले युवक एवं युवतियां, टीचर, व्यापारी, अपाहिज, विधवा, तलाकशुदा, पढ़े-लिखे, विकलांग व अनपढ़, नौकरी करने वाले युवक-युवतियों ने अपना परिचय देकर अपने जीवनसाथी को चुनने की गुजारिश की। प्रधान

ब्रह्मप्रकाश गोयल ने आए हुए सभी अतिथियों परम सानिध्य डॉ. कौशल बाटला (राजनैतिक सचिव केन्द्रीय राज्यमंत्री), वरिष्ठ समाजसेवी एवं उद्योगपति राजीव गोयल, मुख्य अतिथि विकास बंसल, समारोह अध्यक्ष अनिल गुप्ता, स्वागत अध्यक्ष युगल मित्तल, अशोक शर्मा, विशिष्ठ अतिथि मुकेश गर्ग, महेश चन्द मित्तल, वेद प्रकाश बंसल, जे. पी. अग्रवाल, आर. के. गोयल, बिट्टू कंसल, अनिल सिंघल, महेश चन्द मित्तल, राजपाल गर्ग, पंकज सिंगला, विष्णु गोयल, डी. के. बंसल, मनोज अग्रवाल, सतीश गर्ग, सतबीर डागर, सुरेन्द्र चन्द गुप्ता, मनोज अग्रवाल, बिट्टू मंगला, दीपक शर्मा, राकेश गर्ग, डॉ. अजय तिवारी, गिर्राज गोयल, योगेन्द्र गर्ग, योगेश मित्तल, राकेश सिंगला, अतुल गोयल, पल्लव सिंगला, अमित अग्रवाल, अर्जुन अग्रवाल, हरीश गुप्ता, सचिन बंसल, मनोज सिंगला, लाखन सिंह लोधी आदि का फूल-मालाओं व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। मंच संचालन ब्रह्मप्रकाश गोयल, कन्हेयालाल गर्ग, संजीव कुशवाहा व पवन गर्ग ने किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में संरक्षक अनिल गुप्ता, राजीव गोयल, प्रधान डॉ. ब्रह्म प्रकाश गोयल, कोषाध्यक्ष भुवनेश्वर अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बलराज गुप्ता, लक्ष्मी नारायण, रज्जी गुप्ता, महासचिव संजीव कुशवाहा, वी. के. अग्रवाल, उप प्रधान गिरीश मित्तल, गौरव अग्रवाल, एडवोकेट आर के गौड़, प्रमोद गोयल, विनीत गर्ग, पवन गर्ग, लोकेश गर्ग, विजय बंसल, जी.डी. गोयल, सचिव बालकिशन मंगला, मुकेश जिंदल, राकेश माहौर, अशोक प्रधान, प्रहलादराम, सतपाल गुप्ता, मनोज कंसल, हेतराम कर्दम, हर्ष कुमार गर्ग, पदमचंद, प्रचार सचिव नरेश गुप्ता, शिव प्रसाद, मनीष शर्मा, राम गोपाल, रजत गोयल आदि का अहम योगदान रहा। अन्य राज्यों से आए हुए युवक-युवती व उनके परिवार वालों को धर्मशाला में रुकने व उनके भोजन की संपूर्ण व्यवस्था समिति द्वारा करवाई गई। ये सर्वजातीय परिचय सम्मेलन दहेज प्रथा को खत्म करने के लिए एक सराहनीय कदम है।

सूरजकुंड मेला में एनजीएफ कॉलेज के मॉडल्स ने फैशन शो में बिखेरे जलवे

Faridabad/Alive News

द्वितीय सूरजकुंड दिवाली मेला में हर शाम को लोक कलाकारों और संगीतकारों द्वारा मुख्य चौपाल से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार देर सायं मुख्य चौपाल पर एनजीएफ कॉलेज की ओर से फैशन शो का आयोजन किया गया। इस फैशन शो में मॉडल्स ने एक से एक बेहतरीन परिधान के डिजाइन के लुक से दर्शकों को खूब आकर्षित किया।

एनजीएफ ने सूरजकुंड मेला में अपनी अनूठी प्रस्तुति के रूप में शानदार फैशन शो का आयोजन किया। इस शो ने दर्शकों को भारतीय फैशन ट्रेंड्स के मिश्रण से रूबरू कराया, जिसमें मॉडल्स ने रचनात्मकता और डिजाइन कौशल की प्रदर्शनी प्रस्तुत की गई। फैशन शो में विभिन्न समकालीन और पारंपरिक डिजाइनों का मिश्रण देखने को मिला। यह फैशन शो सुरजकुंड दिवाली मेला हरियाणवी वेशभूषा और स्वदेशी पहनावे को मॉडल्स ने शानदार

के समृद्ध सांस्कृतिक परिदृश्य में फैशन की अहमियत को उजागर करता है। इस शो के माध्यम से अंदाज में प्रस्तुत किया। इस अवसर पर दर्शकों ने मॉडल्स की प्रस्तुति को खूब प्रशंसा की।

शिक्षक केवल पढ़ाने वाला नहीं, समाज का मार्गदर्शक होता है -डॉ. जगदीश चौधरी

अध्यापकों को अध्यापन को सिर्फ एक नौकरी नहीं समझना चाहिए बल्कि वह उन पर समाज के निर्माण की एक बड़ी जिम्मेदारी है।

Faridabad/Alive News

एक अच्छा अध्यापक वही होता है जो शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारियों का भी निर्वहन करता है। अध्यापक ही एक ऐसा प्राणी है जो सभी प्राणियों में सर्वश्रेष्ट प्राणी हैं। अन्य प्राणियों से उसे उसकी शिक्षा और उनकी बुद्धिमत्ता अलग करती हैं। यह बात नंगला एन्क्लेव पार्ट-2 स्थित सर्वोत्तम पब्लिक स्कूल में अलाइव न्यूज़ द्वारा आयोजित अध्यापक प्रशिक्षण कार्यशाला में बोलते हुए मुख्य वक्ता एवं शिक्षाविद और बालाजी शिक्षण संस्थान के निदेशक डॉ. जगदीश चौधरी ने शिक्षकों को प्रशिक्षित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि अध्यापकों को अध्यापन को सिर्फ एक नौकरी नहीं समझना चाहिए बल्कि वह उन पर समाज के निर्माण की एक बड़ी जिम्मेदारी है।

डॉ. चौधरी ने कहा कि एक अच्छा अध्यापक वही होता है जो न केवल बच्चों को पढ़ाता है बल्कि उनके अंदर प्रश्न पूछने और सोचने की क्षमता को भी विकसित करता है। उन्होंने बताया कि बच्चों को डांटना या डराना उनकी जिज्ञासा को खत्म कर देने जैसा है, जिससे वे सवाल पूछने से हिचकिचाने लगते हैं। इसलिए अध्यापक को हमेशा बच्चों को प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि उनमें सीखने की रुचि बनी रहे। उन्होंने कहा कि अध्यापक सिर्फ स्कूल में ही नहीं बल्कि समाज में भी एक आदर्श अध्यापक होता है। बच्चे अपने अध्यापकों को देखकर सीखते हैं, इसलिए अध्यापकका आचरण हमेशा सभ्य, जिम्मेदार और प्रेरणादायक होना चाहिए। डॉ. चौधरी ने अध्यापकोंसे कहा कि वे अपने मानसिक संतुलन को बनाए रखें और अपनी समस्याओं को सहकर्मियों व विद्यार्थियों के साथ खुलकर साझा करें। इससे स्कूल और कक्षा का वातावरण सकारात्मक बना रहता है और शिक्षण प्रक्रिया में सुधार आता है।

डॉ. चौधरी ने 'राइट टू चॉइस थ्योरी' का उदाहरण देते हुए बताया कि निर्णय लेने की प्रक्रिया को समझना हर अध्यापक के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि अध्यापकको अपनी सोच और व्यवहार में लचीलापन रखना चाहिए ताकि बच्चे उनसे बेहतर संवाद कर सकें।

कार्यशाला के दौरान एक प्रश्नोत्तर सत्र भी किया गया, जिसमें शिक्षकों ने अपनी अध्यापन से जुड़ी चुनौतियों और अनुभवों को साझा किया। डॉ. चौधरी ने सभी प्रश्नों के व्यावहारिक समाधान दिए और अध्यापकों को अध्यापन पद्धतियों को आधुनिक बनाने की सलाह दी। कार्यक्रम के अंत में स्कूल के प्रबंधक शालिन कौशिक ने मुख्य अतिथि का धन्यवाद किया और कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं अध्यापकों में नई सोच और समझ को पैदा करती हैं। उन्होंने 'अलाइव न्यूज़' टीम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन से शिक्षा की गुणवत्ता में निश्चित रूप से सुधार होगा। इस कार्यशाला ने शिक्षकों को न केवल शिक्षण तकनीकों पर बल्कि मानसिक शांति, व्यवहारिक कौशल और सामाजिक जिम्मेदारियों पर भी सोचने के लिए प्रेरित किया। इससे अध्यापकों के अभिभावकों और छात्रों के बीच बेहतर संबंध बनेंगे और समाज में शिक्षा का स्तर और ऊंचा होगा।

वर्षा से हाईवे पर हुआ जलभराव, वाहन हुए खराब, चालक परेशान

Faridabad/Alive News

इस बार वर्षा ने लगता है कई वर्षों का कोटा इसी साल पूरा करने का ठान लिया है। सप्ताह भी नहीं बीतता कि वर्षा होने लगती है। इस बार नवरात्रि, दुर्गा पूजा, दशहरा जैसे बड़े त्योहार वर्षा की भेंट चढ़ चुके हैं। लोगों को तो अब दीपावली में भी वर्षा का डर सताने लगा है।

त्योहारी मौसम में बाजारों में दुकानदारी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। अक्टूबर के महीने में सुबह शाम हल्की फुल्की सर्दी का अहसास होने लगा है।

वर्षा जब होती है तो आम जनमानस को कई तरह की दिक्कतों का भी सामना करना पडता है। जैसे की वर्षा होगी तो जलभराव होना तय है, जिसका पानी निकलने में एक से दो दिन का समय लग जाता दै। इस दौरान वाहन चालक बुरी तरह परेशान होते हैं। लोगों को स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों का भी सामना करना पडता है, खासकर बच्चों और बुजुर्गों को

सोमवार रात के बाद मंगलवार को बी दोपहर बाद शाम के समय अचानक काली घटा छा गई और वर्षा होने लगी। हाईवे के बल्लभगढ़ वाईएमसीए, मुजेसर, बाटा चौक पर जलभराव दिखाई दिया। मुजेसर, मोड़ के पास हाईवे की सर्विस लेने में गड्ढे में ऑटो फंस गया। शुक रहा कि पलटा नहीं, वरना हादसा हो सकता था। हालांकि हाईवे का जलभराव इसी पाइप लाइन से नगर निगम के डिस्पोजल तक पहुंच जाता है।, लेकिन कई बार कचरा जमा होने की वजह से पानी हाईवे पर ही रुक जाता है।

शहर में वर्षा के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों तरफ जलभराव होता है। सेक्टर व कॉलोनियों में भी पानी भर जाता है। जिला प्रशासन की विभिन्न बैठकों में ये मुद्दा उठा रहा है। बार बार एनएचएआई अधिकारियों से कहा गया, लेकिन समाधान नहीं हुआ। पिछले दिनों जिला उपायुक्त विक्रम सिंह ने एनएचएआई के साथ बैठक की थी, जिसमें एनएचएआई के अधिकारियों से जलभराव के स्थायी समाधान के लिए कहा था। इसके बाद पानी निकासी की लाईन फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण द्वारा डाली गई है। प्राधिकरण के मुख्य अभियंता विशाल बंसल ने बताया कि एक साथ अधिक पानी आने की वजह से निकालने में थोडा वक्त लगता है। कई बार मैनहोल पर कचरा जमा होने से पानी नहीं निकल पाता। व्यवस्था को दुरुस्त किया जा रहा है।

पीएनबी कर्मचारी दो दिवसीय हड़ताल पर छह दिन कार्य नीति का विरोध

Faridabad/Alive News

ऑल इंडिया पंजाब नेशनल बैंक ऑफिसर फेडरेशन के आह्वान पर कर्मचारी दो दिवसीय हड़ताल पर हैं। यह हड़ताल 9 अक्टूबर से शुरू होकर 10 अक्टूबर तक एनआईटी स्थित पंजाब नेशनल बैंक कॉरपोरेशन बिल्डिंग के बाहर जारी रहेगी। हड़ताल की मुख्य वजह बैंक कर्मचारियों से सप्ताह में लगातार 6 दिन काम करवाने की नीति को बताया गया है। फेडरेशन की प्रधान निम्मी यादव ने बताया कि पंजाब नेशनल बैंक में कर्मचारियों और अधिकारियों से लगातार 6 दिन तक 10 से 12 घंटे तक काम कराया जाता है। इस वजह से कर्मचारियों पर मानसिक दबाव और तनाव बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस तनाव के चलते कई बार कर्मचारी अवसाद में चले जाते हैं और कुछ तो आत्महत्या जैसे कदम उठाने को भी मजबूर हो जाते हैं। निम्मी यादव ने बताया कि देश के अन्य बैंकों – चाहे वे सेंट्रल गवर्नमेंट बैंक हों या स्टेट गवर्नमेंट बैंक – सभी में सप्ताह में 5 दिन वर्किंग रहती है,

आप सभी को दशहरा एवं करवाचौथ की हार्दिक शुभकामनाएं

Cont. : 9015157037, 0129-4070270
T.R. GENERATORS
DEALS IN
5KVA TO 300 KVA
All Types Diesel Engine Repairing
Hire, Sale & Purchase
Works : Jeewan Nagar, Part-II, Near Baba Balaknath Dharm Kanta, Sohna Road, Faridabad
Email : t.r.generators90@gmail.com. www.trgenerators.com

डी.ए.वी कॉलेज में स्टेम सेल डोनेशन पर जागरूकता एवं पंजीकरण अभियान आयोजित

Faridabad/Alive News

डी.ए.वी. शताब्दी कॉलेज की एन.एस.एस. (बॉयज़ और गर्ल्स यूनिट) ने दात्री ब्लड स्टेम सेल डोनर्स रजिस्ट्री, चेन्नई के सहयोग से कॉलेज सभागार में मंगलवार को स्टेम सेल डोनेशन जागरूकता एवं पंजीकरण अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में कुल 110 विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपना पंजीकरण किया और लार के नमूने दान किए। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी और जीवन रक्षक पहलों में योगदान की भावना को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नरेंद्र कुमार ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल न केवल युवाओं में जागरूकता बढ़ाती हैं, बल्कि समाज में मूल्यों को भी सशक्त बनाती हैं। दात्री के वरिष्ठ प्रबंधक योगेश मल्होत्रा और प्रमोद कुमार ने विद्यार्थियों को स्टेम सेल डोनेशन की प्रक्रिया, इसके महत्व तथा जीवन रक्षक पहल के रूप में इसकी भूमिका के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. जितेन्द्र ढुल (बॉयज़ यूनिट) और कविता शर्मा (गर्ल्स यूनिट) ने युवाओं को स्वास्थ्य जागरूकता एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

उज्बेकिस्तान में वर्ल्ड कप किक बॉक्सिंग 2025 में 24 सदस्यीय भारतीय दल की भागीदारी

Faridabad/Alive News

उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में आयोजित हो रहे वर्ल्ड कप किक बॉक्सिंग 2025 में भारत का 24 सदस्यीय मजबूत दल हिस्सा ले रहा है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारतीय टीम वाको इंडिया किकबॉक्सिंग महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में मुकाबला कर रही है। भारतीय दल में कुल 16 खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें फरीदाबाद से भी कई खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इसके अलावा टीम में 4 रेफरी, 3 प्रशिक्षक और 1 टीम मैनेजर भी शामिल हैं, जो पूरी टीम को तकनीकी और प्रबंधन संबंधी सहायता प्रदान कर रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार अग्रवाल ने

फरीदाबाद के खिलाड़ियों की जमकर प्रशंसा की और कहा कि ये खिलाड़ी विश्व स्तर पर अपनी क्षमता साबित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। संतोष अग्रवाल ने विश्वास जताया कि भारतीय टीम इस वर्ल्ड कप में अपने बेहतरीन प्रदर्शन से देश का नाम गौरवान्वित करेगी। उन्होंने कहा कि किक बॉक्सिंग के क्षेत्र में भारत की तेजी से प्रगति हो रही है और इस प्रकार के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में हमारे खिलाड़ियों का अनुभव बढ़ना भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। फरीदाबाद के खेल प्रेमी और प्रशिक्षक भी इस टीम के प्रदर्शन को लेकर उत्साहित हैं और उन्हें पूरा भरोसा है कि भारतीय खिलाड़ी पदक जीतकर घर लौटेंगे। वर्ल्ड कप में भागीदारी से भारतीय किकबॉक्सिंग को नई पहचान मिलेगी और युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा भी मिलेगी। इस तरह भारत न केवल खेल के क्षेत्र में बल्कि वैश्विक मंच पर भी अपनी जगह मजबूत कर रहा है। यह वर्ल्ड कप भारत के किक बॉक्सिंग खिलाड़ियों के लिए एक सुनहरा अवसर है अपने कौशल को प्रदर्शित करने और देश का नाम विश्व पटल पर चमकाने का।

RAJ GAS SERVICE
BHARAT GAS DISTRIBUTOR

आप सभी को दशहरा एवं करवाचौथ की हार्दिक शुभकामनाएं
GOVERDHAN BAGRI
47-48, HARDWARE CHOWK, N.I.T. FARIDABAD
TEL.: 2233012, 2440012, 223312, 2233412

ए. सी चौधरी
आप सभी को
दशहरा
एवं करवाचौथ
की हार्दिक शुभकामनाएं

कुलदीप रतडा (राजू आढ़ती)
पूर्व प्रधान- डबुआ सब्जी मंडी फरीदाबाद

फरीदाबाद वकीलों ने सीजेआइ पर जूता फेंकने के मामले में डीसी को ज्ञापन सौंपा

Faridabad/Alive News

फरीदाबाद में वकीलों के एक समूह ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने की कोशिश के मामले पर जिलाधिकारी (डीसी) को ज्ञापन सौंपकर घटना की निंदात्मक कड़ी कार्रवाई और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वकीलों ने कहा कि न्यायपालिका और उसके सर्वोच्च पद का अपमान किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है और इस तरह की हरकतें कानून के शासन और सामाजिक शिष्टाचार के लिए खतरा हैं। ज्ञापन में वकीलों ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति, चाहे वह किसी भी पेशे या राजनीतिक दल से संबंधित हो, न्यायपालिका या उसके पदधारियों का अपमान स्वीकार नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ तुरंत और पारदर्शी जांच आवश्यक है।

Printed, Published & Owned By : Tilak Raj and Printed at The M/s AGS Publication, D-67, Sector-6, Noida, U.P. -201301, From 547, Nangla Enclave, Part-1, N.I.T., Faridabad(Hr.), Editor : Tilak Raj, Ph : 0129-4070270, 9891639448